

प्रयागराज एयरफोर्स स्टेशन के पास पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट

● 7 घर गिरे ● लोग चारपाई में घायलों को लेकर भागे

प्रयागराज, कौशांबी,एजेंसी। यूपी में सोमवार को प्रयागराज और कौशांबी बॉर्डर पर एक पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट हो गया। इससे 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 झुलस गए हैं। पुलिस के मुताबिक, विस्फोट से पूरी फैक्ट्री जमींदोज हो गई। 50 मीटर के दायरे में आसपास के 5 से 7 मकान भी टूट गए हैं।

पुलिस और एयरफोर्स की टीम में रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हैं। हादसा दोपहर साढ़े 12 बजे कौशांबी जिले के मोहम्मदपुर गांव में हुआ। यह गांव प्रयागराज बॉर्डर पर है। यहां से मैनोरी स्थित एयरफोर्स स्टेशन दो किमी है। हादसे के वक्त फैक्ट्री में 15 मजदूर



काम कर रहे थे। आसपास के घरों के कुछ लोग भी घायल हैं।

धमके की आवाज 2 किमी दूर तक सुनाई दी। कुछ ही देर में घुंफ का गुबार चारों

डीएम बोले- प्रशासन रेस्क्यू में जुटा, घायलों को मेडिकल कॉलेज भेजा गया...

कौशांबी डीएम मनीष कुमार वर्मा ने बताया- पुलिस टीम मौके पर राहत कार्य में जुटी है। फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पा लिया है। अब तक जितने लोगों को बाहर निकाला गया है, उनमें से 5 लोगों को गंभीर चोटें आई हैं। सभी को स्त्रुह मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। बाकी घायलों का भी इलाज जारी है। अब तक विस्फोट के कारण 3 घरों के क्षतिग्रस्त होने की बात सामने आई है।

तरफ छा गया। विस्फोट के बाद पटाखों के चलते लगातार धमके होते रहे। ग्रामीण झुलसे लोगों को चारपाई पर ले जाते दिखे। फैक्ट्री मालिक का नाम आदिल है।

कनाडा में भागवत बोले- मदद करना भारत की परंपरा,विविधता ही हमारे देश की खूबसूरती

‘ये मेरा, वह तुम्हारा’ की सोच से ऊपर उठना होगा

टोरंटो,एजेंसी। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत सोमवार को टोरंटो में ‘हिंदू विश्व बंधु’ कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम में कहा कि मुश्किल वक़्त में दूसरों की मदद करना भारत की पुरानी परंपरा रही है। दुनिया में कहीं भी संकट आया और भारत से मदद मांगी गई तो भारत ने कभी पीछे हटकर इनकार नहीं किया। कई बार भारत ने बिना मदद मागे भी दूसरों की सहायता की है। भागवत ने कहा- भारत में विविधता एकता के खिलाफ नहीं, बल्कि उसकी खूबसूरती है। देश में अलग-अलग जाति, पंथ, भाषाएं और संस्कृतियां हैं, लेकिन ये सभी एक ही समाज का हिस्सा हैं। उन्होंने विविधता को स्वीकार करने और उसका सम्मान करने की बात कही। उन्होंने कहा कि ‘ये मेरा, वो तुम्हारा’ जैसी सोच से ऊपर उठने की जरूरत है। अलग-अलग रूप और पहचान के बावजूद सभी में एक ही दिव्यता है। इसलिए दूसरों को अलग या पराया मानने के बजाय सभी के साथ भाईचारे और सेवा की भावना रखनी चाहिए।

भागवत बोले- भारत ने मुस्लिम-



ईसाई सभी को स्वीकार किया: भागवत ने कहा कि हिंदू सभी का सम्मान और स्वीकार करते हैं। दुनिया में कहीं किसी पर अत्याचार हुआ और उसने शरण मांगी, तो उसे भारत में जगह मिली। भारत में मुस्लिम, ईसाई, यहूदी, पारसी और दूसरे समुदाय रहते हैं। लोग सिर्फ शरण लेने ही नहीं, बल्कि ज्ञान हासिल करने के लिए भी भारत आए। उन्होंने कहा कि ईसान को फूल की तरह होना चाहिए। कली फूल बने और अपनी खुशबू पूरे वातावरण में फैलाए। इसी तरह व्यक्ति को विकसित होकर मानवता के लिए समर्पित होना चाहिए। एक हिंदू की सोच यह होनी चाहिए कि मुझे भी आगे बढ़ना है, मुझे सफल होना है, क्योंकि मुझे सेवा करनी है।

विजय-शाह के ‘आतंकवादियों की बहन’ केस में एसआईटी जांच पूरी

सुप्रीम कोर्ट बोला- राज्यपाल को फैसला लेने दीजिए

» मुकदमे की मंजूरी पर दखल से इनकार

दिल्ली/भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश के मंत्री कुंवर विजय शाह की कर्नल सोफिया कुरेशी पर की गई विवादित टिप्पणी के मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। शाह ने कर्नल कुरेशी को ‘आतंकवादियों की बहन’ कहा था। उनके खिलाफ दर्ज FIR को चुनौती देते हुए शाह ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है।



सुनवाई के दौरान मध्य प्रदेश पुलिस की विशेष जांच टीम (SIT) ने बताया कि मामले की जांच पूरी हो चुकी है। जांच रिपोर्ट सौलबंद लिफाफे में सुप्रीम कोर्ट के सामने पेश कर दी गई है। हालांकि, विजय शाह के खिलाफ अभियोजन चलाने की मंजूरी अभी राज्यपाल के स्तर पर लंबित है।

सुप्रीम कोर्ट को राज्यपाल के फैसले का इंतजार... मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जय्यामलया बागवी और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ के सामने सुनवाई हुई। SIT की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने बताया कि अभियोजन की मंजूरी के लिए राज्य सरकार की ओर से की गई सिफारिश पर राज्यपाल के स्तर पर फैसला होना बाकी है।

नेपाल में सैकड़ों कब्र खोदीं, अज्ञात शवों को दफनाना शुरू

● सुरंगों में फंसे लोगों का रेस्क्यू जारी ● अब तक 919 की मौत, 4200 से ज्यादा लापता

काठमांडू,एजेंसी। नेपाल में भीषण बाढ़ के बाद अज्ञात शवों को दफनाने का काम शुरू हो गया है। चितवन के देवघाट जंगल में प्रशासन ने सैकड़ों कब्रें तैयार की हैं। पिछले दो दिनों में 196 शव दफनाए जा चुके हैं। लंबे समय तक पानी में रहने से कई शव खराब हो गए हैं, जिससे पहचान मुश्किल हो रही है। हर शव को पहचान नंबर देकर रिकॉर्ड किया जा रहा है। बाद में DNA जांच के जरिए पहचान कर शव परिजनों को सौंपने की कोशिश होगी। बाढ़ के बाद हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स की सुरंगों में फंसे लोगों को निकालने का अभियान जारी है। त्रिशूली-3A समेत कई प्रोजेक्ट्स की सुरंगों के मुहाने से मलबा और कीचड़ हटाया जा रहा है। बाढ़ और भूस्खलन से नेपाल-तिब्बत में 919 लोगों की मौत हो चुकी है। अकेले नेपाल में 903 मौतें हुई हैं, जबकि तिब्बत में मरने वालों का आंकड़ा 16 पहुंच गया है



4200 से ज्यादा लोग लापता हैं।

रेस्क्यू टीमों में नेपाल के सुरक्षा बलों के साथ भारत और चीन के विशेषज्ञ भी शामिल हैं। टीमों सुरंगों के अंदर मौजूद लोगों से संपर्क करने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं मिला है। बाढ़ के बाद सुरंगों के रास्ते मलबे से बंद हो गए हैं। ऐसे में भारी मशीनों और दूसरे उपकरणों की मदद से रास्ता खोलने का काम

सुरंगों में फंसे लोगों का रेस्क्यू जारी... नेपाल में भीषण बाढ़ के बाद हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स की सुरंगों में फंसे लोगों को निकालने के लिए रेस्क्यू अभियान लगातार जारी है। त्रिशूली-3A समेत कई प्रोजेक्ट्स की सुरंगों के मुहाने पर जमा मलबा और कीचड़ हटाकर अंदर पहुंचने की कोशिश की जा रही है।

दिल्ली में बस में 16 साल की छात्रा से गैंगरेप, ड्राइवर-कंडक्टर अरेस्ट

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली में 16 साल की छात्रा से चलती स्लीपर बस में गैंगरेप का मामला सामने आया है। घटना 4 अगस्त की है, पुलिस ने 31 अगस्त को इसकी जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक पीड़ित ग्रेटर नोएडा के परी चौक पर बस में बैठी। आरोपियों ने उसे कश्मीरी गेट पर छोड़ा। इस दौरान बस करीब 47 किमी दौड़ती रही। बस के शीशों पर पदें लगे थे।

पुलिस ने बस ड्राइवर कुलदीप और कंडक्टर संदीप को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की गिरफ्तारी कब हुई, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। पीड़ित उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले की रहने वाली है और 11वीं की छात्रा है।

रास्ता भटकने के कारण स्लीपर बस में बैठी छात्रा: पुलिस सूत्रों के मुताबिक, छात्रा परिवारों से नाराज होकर बिना बताए घर से निकल गई थी और नोएडा में रहने वाले अपने चचेरे भाई के पास जा रही थी। भारी बारिश और अंधेरे के कारण छात्रा गलती से ग्रेटर नोएडा के परी चौक पर उतर गई। इसी दौरान एक खाली स्लीपर बस वहां से गुजरी। छात्रा ने बस को रुकने का इशारा किया,



जिसके बाद बस रुक गई। ड्राइवर-कंडक्टर ने उसे नोएडा सेक्टर-63 जाने की बात कहकर बस में बैठा लिया।

ड्राइवर-कंडक्टर ने किया गैंगरेप: आरोप है कि बस चलने के कुछ देर बाद कंडक्टर ने पीड़िता के साथ अश्लील हरकत शुरू कर दी। पीड़िता के मुताबिक, इसके बाद ड्राइवर और कंडक्टर ने उसके साथ रेप किया और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। आरोपी पीड़िता को देर रात कश्मीरी गेट बस अड्डे के पास रिंग रोड पर उतारकर फरार हो गए।

दिल्ली- स्कूल में नर्सरी की बच्ची का यौन शोषण पीड़ित ने मां से कहा- ये ‘बैड अंकल’

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली के बवाना इलाके के एक प्राइवेट स्कूल में तीन साल की छात्रा के यौन शोषण का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में स्कूल में काम करने वाले कैब ड्राइवर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने नर्सरी में पढ़ने वाली बच्ची को चॉकलेट का लालच दिया और उसे कई बार गलत तरीके से छुआ। बच्ची की मां ने उसके व्यवहार में बदलाव देखा तो उससे इस बारे में पूछा। बच्ची ने मां को स्कूल में आने वाले एक ‘बैड अंकल’ के बारे में बताया। बच्ची आरोपी का नाम नहीं बता सकी, इसलिए उसके माता-पिता ने स्कूल प्रशासन को जानकारी दी।

सीसीटीवी और फोटो दिखाने पर आरोपी की पहचान: 24 अगस्त को स्कूल प्रशासन ने बच्ची को कई लोगों की तस्वीरें और सीसीटीवी फुटेज दिखाए। बच्ची ने इनमें आरोपी कैब ड्राइवर की पहचान की। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई और पॉस्को एक्ट की संबंधित धाराओं में स्रुद्धर्ज की गई। पुलिस ने इसके बाद आरोपी को स्कूल परिसर से गिरफ्तार कर लिया। शुरुआती जांच में सामने आया कि आरोपी पिछले आठ महीने से स्कूल में कैब ड्राइवर के तौर पर काम कर रहा था।

पटना हाईकोर्ट का फैसला:

दूसरी पत्नी भी पारिवारिक पेंशन पाने की

पटना , एजेंसी। पटना हाईकोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि दूसरी पत्नी भी पारिवारिक पेंशन पाने की हकदार है। कोर्ट ने जल संसाधन विभाग के 2019 के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें मृत सरकारी कर्मचारी की दूसरी पत्नी को पारिवारिक पेंशन देने से इनकार किया गया था। न्यायमूर्ति पूर्णदु सिंह की एकलपीठ ने कुसुम देवी

की ओर से दायर रिट याचिका का निपटारा करते हुए यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने संबंधित अधिकारी को फैसले के अनुरूप सकारात्मक आदेश पारित करने और बकाया राशि का भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मामला जल संसाधन विभाग में ग्रेड-III क्लर्क रहे जय लाल साह से जुड़ा है। उनका निधन 17 अप्रैल 2009 को हुआ था।

पेट्रोल-पंपों पर एथेनॉल प्रतिशत बताने की मांग वाली याचिका खारिज

सुप्रीम कोर्ट बोला- सखम अथॉरिटी के पास जाएं

» ई20 ईंधन से पुरानी गाड़ियों

में खराबी की आशंका

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया है जिसमें पेट्रोल पंपों पर बेचे जा रहे पेट्रोल में इथेनॉल के ब्लेंडिंग का प्रतिशत स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने और इसे पेट्रोल बिल व रसीद पर अनिवार्य रूप से दर्ज करने के निर्देश की मांग की गई थी। जस्टिस एम.एम. सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले की पीठ ने याचिकाकर्ता एवं अधिवक्ता एन.के. गोस्वामी को अपनी शिकायतों के निवारण के लिए संबंधित हाईकोर्ट का दरवाजा



खटखटाने की स्वतंत्रता प्रदान की है।

उपभोक्ताओं के अधिकारों की मांग: सुनवाई के दौरान अधिवक्ता गोस्वामी ने दलील दी कि देश के उपभोक्ताओं को यह जानने का पूरा अधिकार है कि वे जो ईंधन खरीद रहे हैं, उसकी कपोजगुण व क्या है। उन्होंने पेट्रोल की रसीदों पर इथेनॉल की मात्रा की कोई जानकारी न होने का मुद्दा



उठाते हुए अदालत से कहा कि रसीद में इथेनॉल का कोई जिक्र नहीं होता और एक ग्राहक के तौर पर उन्हें यह जानने का पूरा अधिकार है। इसके अलावा, उन्होंने उल्लेख किया कि पिछली सुनवाई में अटॉर्नी जनरल ने इथेनॉल-ब्लेंडिंग कार्यक्रम को एक एक्सपेरिमेंट बताया था, हालांकि बाद में सरकार ने स्पष्टीकरण जारी कर ऐसे किसी बयान से इनकार किया था। याचिकाकर्ता ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार से स्पष्ट आवासन की मांग की। दूसरी ओर, भारत के अटॉर्नी जनरल ने इस मामले को आगे बढ़ाने के तरीके पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता

क्या है याचिका में की गई प्रमुख मांगें? इस याचिका में अदालत से कई अहम राहतों की मांग की गई थी। इसमें प्रमुख रूप से यह निर्देश देने की अपील की गई थी कि सभी पेट्रोल पंपों के नोजल पर पेट्रोल में इथेनॉल का सटीक प्रतिशत प्रमुखता व समान रूप से प्रदर्शित किया जाए और हर ईंधन बिल या रसीद पर इसे स्पष्ट रूप से दर्ज

चाहते हैं कि भारत सरकार सीधे उनके प्रति जवाबदेह हो। इस पर गोस्वामी ने जवाब दिया कि यह मांग उनके व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं बल्कि आम नागरिकों के अधिकारों से जुड़ी है और देश की जनता को यह जानने का अधिकार है कि वे क्या खरीद रहे हैं।

महिलाएं घर में ही रहें, बाहर निकलने पर होगी तबाही

» केरलम में गैंड मुफ्ती अबू बकर का विवादित बयान

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केरलम में गैंड मुफ्ती शेख अबू बकर अहमद महिलाओं को लेकर एक विवादित बयान दिया है। कोच्चि में आयोजित ‘हुब्बुल रसूल सम्मेलन’ को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपने घरों तक ही सीमित रहना चाहिए और बाहर नहीं निकलना चाहिए, क्योंकि उनका सार्वजनिक क्षेत्र में लाने से भारी विनाश हो सकता है।

दरअसल, कंथापुरम एपी अबू बकर मुसलियार के नाम से जाने

जाने वाले ग़ैड मुफ्ती शेख अबू बकर अहमद ने कोच्चि में हुब्बुल रसूल सम्मेलन में महिलाओं की तुलना सोने के गहनों से करते हुए उन्होंने तर्क दिया कि जिस तरह आभूषणों की सुंदरता बनाए रखने के लिए उन्हें डिब्बे में बंद रखा जाता है, उसी तरह इस्लाम ने भी उनकी गरिमा और सुरक्षा के लिए पर्दा प्रथा निर्धारित की है।

बता दें कि धर्मगुरु (ग़ैड मुफ्ती शेख अबू बकर अहमद) अखिल भारतीय सुन्नी जमायतुल उलमा और समस्ता केरल जमायतुल उलमा दोनों के महासचिव भी हैं। उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति सोने का हार खरीदता है, तो उसे अलमारी से, फिर डिब्बे से और अंत में उसकी



महिलाओं को नीचा दिखाना उद्देश्य नहीं... अबू बकर ने कहा ‘महिलाओं को अपने घरों तक ही सीमित रहना चाहिए। उन्हें सार्वजनिक क्षेत्र में प्रवेश नहीं करना चाहिए। पवित्र कुरान भी यही कहता है। इसका उद्देश्य महिलाओं को नीचा दिखाना नहीं था, बल्कि उनका सम्मान करना और उनकी रक्षा करना था।’

पेकिंग से बेहद सावधानीपूर्वक निकालकर दिखाया जाता है। इसके विपरीत, उन्होंने पास की एक दुकान की तुलना की जहां पत्थर की चक्कियां बेची जाती थीं, जिन्हें सड़क किनारे रख दिया जाता था और लोग आते-जाते उन पर पैर रख देते थे।

संक्षिप्त समाचार

मशाल जुलूस हुआ हिंसक, पुलिस पर पथराव के बाद आंसू गैस के गोले छोड़े

एनसीआर -जनगणना को लेकर हो रहा था विरोध



इंफाल, एजेंसी। मणिपुर के काकचिंग जिले में रविवार रात राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर को अपडेट करने की मांग को लेकर निकाला गया मशाल जुलूस हिंसक हो गया। प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने पुलिस पर पथराव किया, जिसके जवाब में सुरक्षाबलों ने भीड़ को तिसर-बितर करने के लिए कई आंसू गैस के गोले छोड़े। घटना में कुछ प्रदर्शनकारियों को मामूली चोटें आई हैं। वाबागाई, हियांगलाम और आसपास के इलाकों के सैकड़ों ग्रामीणों ने रविवार रात करीब तीन किलोमीटर लंबा मार्च निकाला। प्रदर्शनकारी नारे लगा रहे थे। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि राज्य में जनगणना की प्रक्रिया शुरू करने से पहले को अपडेट किया जाए। साथ ही उन्होंने आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों के पुनर्वास से पहले जनगणना कराने का विरोध किया।

पुलिस से प्रदर्शनकारियों की झड़प कैसे हुई: अधिकारियों के अनुसार, प्रदर्शनकारी जब काकचिंग जिला मुख्यालय की ओर बढ़ रहे थे, तब पुलिस ने कीराक बांध इलाके के पास उन्हें रोक दिया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों से वापस लौटने को कहा। इसके बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई और प्रदर्शनकारियों में से कुछ लोगों ने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया। हालात बिगड़ने पर पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कई आंसू गैस के गोले छोड़े। अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों को मामूली चोटें आईं।

मणिपुर में हिंसा का क्या है पुराना संदर्भ: मणिपुर में मई 2023 से मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा जारी रही है। इस हिंसा में अब तक 260 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। ताजा विरोध प्रदर्शनों में और जनगणना से जुड़े मुद्दों के साथ विस्थापित लोगों के पुनर्वास की मांग भी प्रमुख रही। प्रशासन की ओर से स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

कर्मचारी मांगों को लेकर कांग्रेस विधायकों का विधानसभा तक मार्च

हुड्डा बोले- जनहित की आवाज दबाना चाहती है सरकार



चंडीगढ़। मॉनसून सत्र के दूसरे दिन भी कांग्रेस विधायक नारेबाजी और मार्च करते हुए विधानसभा पहुंचे। इस बार विधायकों ने कर्मचारियों के तमाम मुद्दों को उठाते हुए प्लेकार्ड लहराए। इसमें सफाई कर्मियों की मांगें मानने, कौशल निगम कर्मियों को पक्का करने, कौशल निगम को बन्द करने के लिए ताकि युवाओं का शोषण बंद हो,समान काम समान वेतन ,गेस्ट टीचर्स को पक्का करने, बिजली कर्मियों की मांगों को मानने, फायर ब्रिगेड कर्मियों की मांग, पुरानी पेंशन स्कीम बहाल करने, एचपीएससी चैयरमैन को हटाने और बाहरीयों को नौकरी में प्राथमिकता बंद करने व नौकरियों में पारदर्शिता की मांग उठाई गई। पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में तमाम विधायक सरकार-विरोधी नारेबाजी करते हुए विधानसभा तक पहुंचे। रास्ते में एकबार फिर पुलिस ने बैरिकेडिंग और भारी बल प्रयोग कर उन्हें रोकने की कोशिश की। सुरक्षाकर्मियों ने विधायकों के साथ धक्कामुक्की करने की भी कोशिश करी। सरकार के इस रवैये की भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कड़े शब्दों में निंदा करी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांग रखना न सिर्फ उनका अधिकार है, बल्कि जन्मप्रतिनिधि होने के नाते जनता के मुद्दों को उठाना उनकी जिम्मेदारी भी है। लेकिन ऐसा लगता है कि भाजपा सरकार पूरी तरह तानाशाही पर उतर आई है और वह जनहित के मुद्दों को पूरी तरह दबाना चाहती है। हुड्डा ने कहा कि सरकार याद रखे कि ये कांग्रेस के विधायक हैं, जो न किसी से डरता है और न कभी हार मानता है। जनहित के मुद्दों को पार्टी के विधायक, तमाम नेता और कार्यकर्ता सड़क से लेकर सदन तक पूरजोर तरीके से उठाते रहेंगे। कर्मचारियों के साथ कांग्रेस कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है और उनकी तमाम मांगों का समर्थन करती है।

हौसले की दमदार कहानी: मन की बात में ठेले से दुकान तक का संघर्ष सुन भावुक हुई बबीता, पीएम मोदी भी हुए मुरीद

गाजियाबाद, एजेंसी। मुश्किल हालात कई बार इंसान को तोड़ देते हैं, लेकिन कुछ लोग परिस्थितियों को ही अपनी ताकत बना लेते हैं। नंदग्राम की रहने वाली बबीता शर्मा ऐसी ही मिसाल हैं। पति का साथ छूट या तो तीन बच्चों की जिम्मेदारी के साथ ही रोजी-रोटी का संकट आ गया। घर में बचे महज 5 हजार रुपये से उन्होंने पूजा सामग्री का छोटा सा ठेला लगाना शुरू किया।

बबीता की मेहनत, हौसले और प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से मिले आर्थिक सहारे ने उनके कारोबार को विस्तार दिया। सड़क किनारे लगी ठेली आज नंदग्राम में मंदिर के पास पूजा सामग्री की दुकान है। बबीता के संघर्ष और आत्मनिर्भरता की कहानी रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ‘मन की बात’ के 137वें एपिसोड में साझा की। प्रधानमंत्री ने बताया कि बबीता पहले सड़क किनारे फूल, दीये, अगरबत्ती, नारियल समेत पूजा सामग्री बेचती थीं। बताया कि पूंजी की जरूरत पड़ने पर पीएम



स्वनिधि योजना के तहत आर्थिक सहायता मिली। इससे उन्होंने दुकान में सामान बढ़ाया, ग्राहक बढ़े और आमदनी में इजाफा हुआ। धीरे-धीरे छोटा ठेला से दुकान में पहुंच गया। प्रधानमंत्री ने इसे महिला सशक्तिकरण और

काम करना ही होगा। घर में बचे पांच हजार रुपये से पूजा सामग्री खरीदी और मंदिर के सामने बिक्री शुरू कर दी। बताया कि शुरुआती दौर में कम पूंजी के कारण कारोबार सीमित रहा।

इसी बीच पीएम स्वनिधि योजना की जानकारी मिली। उन्होंने योजना के तहत 10

हजार रुपये के पहले ऋण के लिए आवेदन किया और राशि मिलने के बाद पूरा पैसा कारोबार में लगाया। उन्होंने बताया कि समय पर ऋण चुकाने पर उन्हें 20 हजार और फिर 50 हजार रुपये तक का ऋण मिला। बढ़ती पूंजी के साथ पूजा सामग्री का स्टॉक के साथ कारोबार ने भी रफ्तार पकड़ी।

बच्चों की पढ़ाई और घर का खर्च संभाल रहीं

आज दुकान की कमाई से बबीता तीनों बच्चों की जिम्मेदारी उठा रही हैं। उनके दो बच्चे अभी स्कूल में पढ़ रहे हैं, जबकि एक बेटा नौकरी कर रहा है। कभी पांच हजार रुपये से शुरू हुआ कारोबार अब उनके परिवार के लिए स्थायी आय का जरिया बन चुका है।

मोदी को बताया बड़े भाई जैसा : मन की बात में प्रधानमंत्री द्वारा नाम लिए जाने की जानकारी मिलने पर बबीता भावुक हो गईं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को अपना बड़े भाई जैसा बताते हुए कहा कि आज उनकी वजह से वह समाज में आत्मनिर्भर होकर सम्मान से जीवन जी रही हैं। उन्होंने केंद्र व प्रदेश सरकार के साथ जिला प्रशासन का भी आभार जताया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने उद्बोधन में गाजियाबाद की बबीता शर्मा का नाम मन की बात कार्यक्रम के दौरान लिया। यह जिले के लिए गौरव की बात है।

इंजीनियर युवराज मेहता को कब मिलेगा न्याय, मलाईदार पदों पर मौज काट रहे जिम्मेदार; शासन ने मांगा जवाब



नोएडा, एजेंसी। नोएडा में सांपट्वेयर इंजीनियर युवराज मेहता की मृत्यु 16 जनवरी को सेक्टर-150 स्थित एससी टू भूखंड के बेसमेंट के लिए खोदे गए गड्ढे में कार गिरने और डूबने से हुई थी। घटना

पर व्यापक हंगामा मचने के बाद शासन ने एडीजी मेरठ और मंडलायुक्त के नेतृत्व में एसआईटी भेजकर जांच कराई। जांच में क्या हुआ, कौन दोषी था, क्या कारवाई होनी थी, यह अभी भी रहस्य का

विषय बना हुआ है। जानकार बताते हैं कि एसआईटी अपनी रिपोर्ट शासन को दे चुकी है। शासन के पास रिपोर्ट विचाराधीन है। वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि एसआईटी ने गोलमोल रिपोर्ट दी, जिसकी वजह से शासन ने प्राधिकरण को विभागीय जांच करने और कार्रवाई का आदेश दिया था। उधर, अधिकारियों ने इस संबंध में रिपोर्ट शासन को सौंप दी है, जिस पर शासन ने गंभीर आपत्ति जताई है। शासन का कहना है कि रिपोर्ट में खानापूरी की गई है, जिससे युवराज मेहता के पिता की न्याय की उम्मीद भी टूट गई है।

जवाब और दस्तावेज मांगे

सूत्रों के अनुसार, उप सचिव ने इस मामले में 18 अगस्त को प्राधिकरण के सीईओ को पत्र भेजकर सात बिंदुओं पर विस्तृत जवाब और दस्तावेज मांगे हैं। हादसे की जांच के लिए प्राधिकरण ने सिविल, विद्युत यांत्रिक और ट्रैफिक सेल के महाप्रबंधक की समिति गठित की थी। शासन ने सवाल उठाया है कि यदि तीनों विभागों के प्रबंधकों और जूनियर इंजीनियर को प्रथम दृष्टया दुर्घटना के लिए जिम्मेदार माना गया है, तो संबंधित महाप्रबंधकों को दोषी क्यों नहीं ठहराया गया।

मलाईदार पदों पर तैनाती दे दी : प्राधिकरण ने केवल सविदा पर तैनात एक जूनियर इंजीनियर के खिलाफ की गई कार्रवाई की जानकारी दी है, बाकी पर कार्रवाई के बजाए इधर-उधर कर इतिथि कर ली गई। जबकि प्रबंधकों पर कार्रवाई किए जाने के बजाए मलाईदार पदों पर तैनाती दे दी गई। शासन ने सभी जूनियर इंजीनियरों व प्रबंधकों के खिलाफ हुई कार्रवाई का पूरा ब्योरा और उसका आधार मांगा है। रिपोर्ट में तकनीकी आडिट सेल (टीएससी) और तकनीकी गुणवत्ता के लिए नामित संस्था के साथ जांच का उल्लेख है, लेकिन प्रारंभिक जांच आख्या और संबंधित दस्तावेज शासन को उपलब्ध नहीं कराए गए। शासन ने यह भी पूछा है कि हादसे से पहले सेक्टर-150 में देखरेख और सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी किसकी थी। संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के नाम, पद और दायित्व संबंधी निर्देशों की जानकारी मांगी गई है।

प्रधानाचार्य ने 1643 बच्चों की जिंदगी बचाई, सलाम कर रहे लोग; तीन मंजिला स्कूल पूरा बह गया

काठमांडू, एजेंसी।

नेपाल में सूरंगों में फंसे लोगों को निकालने के लिए बचाव अभियान तेज कर दिया गया है। नेपाली सेना ने कई जलविद्युत परियोजनाओं की सूरंगों से 361 श्रमिकों को सुरक्षित निकाला है। पर, रसुवा व नुवाकोट में अब भी 898 कामगार फंसे हुए हैं। नुवाकोट की त्रिशूली-3ए परियोजना में जवान सूरंग में छेद बनाकर अंदर पहुंचे, पर वहां कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। बचावकर्मियों ने छह इंच का छेदकर पाइप से ऑक्सीजन व भोजन भेजा

है। सैन्य अफसरों के मुताबिक, त्रिशूली-3ए में 35 कर्मचारियों के फंसे होने का अनुमान है। चार किमी लंबी सूरंग में रेशनी, हवा के लिए चार छेद किए गए हैं। इसके जरिये सूरंग में जाने पर सात मीटर व्यास वाले हिस्से में काफी ऊंचाई तक पानी भरा मिला। ड्रिलिंग व ब्लास्ट के जरिये सूरंग का छेद बड़ा कर कामगारों तक पहुंचने की तैयारी है। भारत-चीन के विशेषज्ञ भी लोगों को बचाने के अभियान में मदद दे रहे हैं। त्रिशूली-3ए सूरंग में फंसे हैं 35 श्रमिक...898 कामगार

कई अन्य सूरंगों में फंसे हैं। तबाही के बीच नुवाकोट के त्रिभुवन त्रिशूली सेकेंडरी स्कूल के प्रधानाचार्य राजेंद्र दवाड़ी ने सूत्रबुझ से 1643 बच्चों की जिंदगी बचा ली। दोस्त से बाढ़ की चेतावनी मिलते ही उन्होंने घंटी बजाकर स्कूल आ चुके 900 बच्चों व शिक्षकों को ऊंचे स्थानों पर भेज दिया। 700 से अधिक बच्चे पैदल और बसों से स्कूल की ओर आ रहे थे। उन्होंने बसों से संपर्क कर वहीं से लौटने को कहा। एक बस स्कूल के पास पुल तक पहुंच चुकी थी।

व्यापार वार्ता टूटने के बाद ट्रंप का कनाडा पर हमला, बोले- मुझे खराब लगता है ये देश

वांशिंगटन, एजेंसी।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्यापार वार्ता टूटने के बाद कनाडा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने अपने उत्तरी पड़ोसी को 'सबसे बड़े शोषणकर्ताओं में से एक' बताया और कनाडाई कंपनियों से शुल्क से बचने के लिए अपना कारोबार अमेरिका में स्थानांतरित करने की अपील की। ट्रंप ने टुथ सोशल पर कई पोस्ट में अपनी शुल्क नीति को अमेरिका के वाहन उद्योग को बचाने का श्रेय दिया। उन्होंने कनाडा पर अनुचित व्यापार गतिविधियों का भी आरोप लगाया। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'जब मैंने 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की थी, तब शुरुआत में ही फोर्ड डेट्रॉइट में अपनी बड़ी



फैक्टरी बंद करने की तैयारी कर रही थी। फिर, क्योंकि मैं चुनावी सर्वेक्षणों में आगे चल रहा था, उन्होंने यह देखने के लिए इसे थोड़े समय और खुला रखने का फैसला किया कि क्या होता है। अब यह 24 घंटे, सातों दिन चल रही है और दुनिया की सबसे अधिक लाभदायक कार फैक्ट्रियों में से एक है। 'कनाडा से आने वाले सामान पर ट्रंप ने क्यों जताई

नाराजगी: अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि फोर्ड, जनरल मोटर्स और अन्य कंपनियों के ऐसे कई और उदाहरण हैं। ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने अमेरिका के वाहन उद्योग को 'फिर से खड़ा किया और वास्तव में बचाया' है। ट्रंप ने कहा, 'यह मेरे द्वारा शुल्कों को लेकर उठाए गए कदमों की वजह से हुआ है। सबसे बड़े शोषणकर्ताओं में से एक कनाडा है। मुझे कनाडाई कारों नहीं चाहिए, मुझे कनाडाई पुर्जें नहीं चाहिए, मुझे कनाडा की कोई चीज नहीं चाहिए। वे दशकों से हमारा शोषण कर रहे हैं और अब यह बंद होगा। 'उन्होंने कनाडा के खिलाफ सख्त रुख नहीं अपनाने के लिए पिछली अमेरिकी सरकारों पर भी निशाना साधा।

ट्रंप ने कहा, 'यह काम बहुत पहले दूसरे राष्ट्रपतियों के समय हो जाना चाहिए था। ठीक वैसे ही जैसे ईरान को रोकने का काम बहुत पहले हो जाना चाहिए था। ट्रंप ने कनाडा की उस अपेक्षा पर भी आपत्ति जताई। जिसमें उसके साथ अमेरिका के किसी राज्य की तरह व्यवहार किए जाने की बात कही गई है।

कनाडा को क्यों नहीं मिलेगी कोई छूट: उन्होंने कहा, 'वे चाहते हैं कि उनके साथ एक राज्य की तरह व्यवहार किया जाए, लेकिन वे राज्य नहीं हैं। मैं कई देशों के नेतृत्व के साथ काम करता हूँ, लेकिन मुझे कनाडा सबसे खराब लगता है। अब उन्हें किसी तरह की विशेष छूट नहीं मिलेगी।

प. एशिया में फिर बढ़ा तनाव: अमेरिका ने ईरान के लारक द्वीप पर दागे रॉकेट, मोजतबा ने किया इस्लामी एकता का आह्वान

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने इस्लामी देशों के शासकों से कहा कि वे 'अपने असली दुश्मन को पहचानें, उसकी योजनाओं को समझें और उसका सामना करें'। सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए ने यह जानकारी दी। छह महीने पहले अमेरिका और इराक़ल ने ईरान पर हमला किया था। इस हमले में खामेनेई के पिता और ईरान के कई दूसरे वरिष्ठ नेता मारे गए थे। इसके बाद भी खामेनेई को सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया है। उन्होंने यह बात तेहरान में हुए एक सम्मेलन में शामिल धार्मिक नेताओं को लिखे पत्र में कही। युद्ध के बाद इस्लामी देशों के बीच मतभेद सामने आए हैं। ईरान ने पड़ोसी खाड़ी अरब देशों में अमेरिकी टिकानों को निशाना बनाया। उसने होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही भी सीमित कर दी। तेहरान क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी का विरोध करता रहा है।

नेतन्याहू के बेटे को अमेरिका से क्यों निकाला गया: इराक़ल की सुरक्षा एजेंसी शिन बेट ने कहा कि उसने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सबसे बड़े बेटे को अमेरिका से तुरंत



बाहर निकाला। उन्हें धमकी मिली थी। शिन बेट ने रविवार को जारी एक छोटे बयान में इसकी पुष्टि की। उसने कहा कि यायर नेतन्याहू को 'गंभीर धमकी' मिली थी। एजेंसी ने इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी। हालांकि, प्रधानमंत्री ने पिछले हफ्ते एक इराक़ली टेलीविजन चैनल से कहा था कि ईरान ने उनके एक बेटे को मारने की कोशिश की थी। उनके कार्यालय ने रविवार को इस पर कोई टिप्पणी नहीं की। यायर नेतन्याहू 2023 में मियामी चले गए थे। गाजा, लेबनान और ईरान में इराक़ल के युद्ध

के दौरान वह ज्यादातर समय देश से बाहर रहे। वह अक्सर अपने पिता के अनौपचारिक सलाहकार के रूप में काम करते रहे हैं। सोशल मीडिया पर आलोचकों पर उनकी टिप्पणियों को लेकर कई बार विवाद भी हुआ है।

होर्मुज जलडमरूमध्य में तेल टैंकर को निशाना बनाया गया: ब्रिटिश सेना की ओर से संचालित एक निगरानी एजेंसी ने बताया कि शनिवार को होर्मुज जलडमरूमध्य में ओमान के खासाब के उत्तर में एक अज्ञात वस्तु ने तेल टैंकर जहाज को निशाना बनाया। ब्रिटेन के

समुद्री व्यापार संगठन ने कहा कि जहाज अंदर की ओर जा रहा था। किसी के हाताहत होने या पर्यावरण को नुकसान पहुंचने की सूचना नहीं मिली है। संगठन ने कुछ सैन्य अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी। इस हमले की तुरंत किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली।

वेस्ट बैंक में पत्रकारों पर हमला: इराक़ल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक के मध्य हिस्से में शनिवार को बस्ती बसाने वालों (शेठलर्स) ने पत्रकारों की एक टीम पर हमला किया। उस समय यह टीम एक फलस्तीनी महिला का इंटरव्यू कर रही थी। महिला ने कहा था कि उसे अपना घर छोड़ने के लिए मजबूर किया गया था। एनबीसी के अनुसार, संवाददाता मैट ब्रैडली, दो अन्य कर्मचारियों और महिला का चोटों के लिए इलाज किया गया। उनकी चोटों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। एनबीसी ने एक वीडियो भी साझा किया। इसमें नकाब पहने लोग डंडे लेकर समाचार दल की ओर आते और उनके वाहनों पर हमला करते दिख रहे हैं।

इराक़ली सेना ने कहा कि उसे फलस्तीनियों के घायल होने की खबरों की जानकारी है। इसमें एक फलस्तीनी महिला भी शामिल है, जिसे ऐसी चोटें आई हैं जो जानलेवा नहीं हैं।

सेना ने पत्रकारों की टीम पर हुए हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की। इराक़ल के प्रधानमंत्री ने शनिवार को वेस्ट बैंक में बस्ती बसाने वालों की हिंसा की निंदा की। यह उनकी ऐसी दुर्लभ प्रतिक्रिया थी। इन हमलों को लेकर नेतन्याहू की अमेरिका ने भी आलोचना की है। इराक़ली बस्ती बसाने वालों ने शनिवार को वेस्ट बैंक के एक फलस्तीनी गांव से एक ब्रिटिश कार्यकर्ता को पकड़ लिया। उसके वकील ने रविवार को यह जानकारी दी। वकील ने अनुसार, उसे एक शेड में बंद किया गया। बाद में उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। यह साफ नहीं है कि उसे क्यों पकड़ा गया। बस्ती बसाने वालों ने आरोप लगाया कि फिन जोगिन ने एक बच्चे पर हमला किया। वकील इनवार शेवड वाडी ने इस आरोप से इनकार किया।

गाजा में इराक़ली हमले में दो फलस्तीनी मारे गए: गाजा के पश्चिमी हिस्से में दीर अल-बला में लोगों के एक समूह पर इराक़ली हमला हुआ। इसमें तीन साल के बच्चे और एक व्यक्ति की मौत हो गई। इराक़ली सेना ने उस व्यक्ति को हथामा का सदस्य बताया। इराक़ली सेना ने कहा कि वह व्यक्ति 'तुरंत खतरा पैदा कर रहा था'।

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर के सख्त निर्देश, 5 सितंबर को मझौली में लगेगा मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान का शिविर



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा की अध्यक्षता में सोमवार को समय-सीमा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान, सीएम हेल्पलाइन, लोक सेवा गारंटी अधिनियम, बाढ़ एवं अतिवृष्टि से उत्पन्न परिस्थितियों, स्थापना एवं पेंशन प्रकरणों सहित विभिन्न

विभागीय योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को सभी लिंबित कार्यों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बताया कि मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के अंतर्गत अगला जिलास्तरीय शिविर 5 सितंबर 2026 को

मझौली में आयोजित किया जाएगा। शिविर के लिए सीएम हेल्पलाइन से 46 शिकायतों को चिन्हित किया गया है। शिविर स्थल पर संबंधित शिकायतकर्ताओं से संवाद कर उनकी शिकायतों के निराकरण की स्थिति की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि चिन्हित शिकायतों का प्राथमिकता से

निराकरण करते हुए शिकायतकर्ताओं को संतुष्टिपूर्ण समाधान उपलब्ध कराया जाए। सीएम हेल्पलाइन तथा लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत लिंबित आवेदनों का भी समय-सीमा में निराकरण करने को कहा गया।

बाढ़-अतिवृष्टि पर सतत निगरानी के निर्देश: कलेक्टर ने जिले में बाढ़ एवं अतिवृष्टि की स्थिति की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित विभागों को सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए किसी भी आपात स्थिति में तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। निर्माण एजेंसियों को सड़क, पुल-पुलिया, बांध, स्टॉप डैम, चेक डैम सहित अन्य संरचनाओं की स्थिति पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। कहीं भी क्षति या खतरे की स्थिति सामने आने पर तत्काल आवश्यक कदम

उठाने को कहा गया। प्रभावित क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने, छात्रावासों पर विशेष ध्यान देने तथा राहत प्रकरणों का समय पर निराकरण कर प्रभावित हितग्राहियों को नियमानुसार भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। नगरीय क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा गया। कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि अतिवृष्टि एवं बाढ़ की स्थिति को देखते हुए गर्भवती महिलाओं को संभावित प्रसव तिथि से पूर्व आवश्यकतानुसार स्वास्थ्य संस्थानों में भर्ती कराया जाए, ताकि आपात परिस्थितियों में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

बिना अनुमति मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे अधिकारी: कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी अधिकारी बिना पूर्व अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ेंगा। सभी अधिकारी अपने मुख्यालय पर उपलब्ध रहते हुए सौंपे गए दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करें। उन्होंने स्थापना संबंधी प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कर्मचारियों के विभिन्न स्वत्वों का भुगतान समय पर सुनिश्चित करने तथा पेंशन प्रकरणों को अनावश्यक रूप से लिंबित नहीं रखने के निर्देश दिए।

वित्तीय लक्ष्यों की पूर्ति पर जोर: कलेक्टर ने कहा कि वित्तीय वर्ष की छमाही पूर्ण होने वाली है। सभी विभाग निर्धारित लक्ष्यों और अब तक की प्रगति की समीक्षा करें। जिन योजनाओं में लक्ष्य अपेक्षित स्तर तक प्राप्त नहीं हुए हैं, उनमें विशेष प्रयास करते हुए शेष अवधि में प्रगति बढ़ाई जाए। स्वरोजगार संबंधी लक्ष्यों को समय पर पूर्ण करने, राजस्व वसूली में तेजी लाने तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए।

अधिकारी अपने मुख्यालय पर उपलब्ध रहते हुए सौंपे गए दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करें। उन्होंने स्थापना संबंधी प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कर्मचारियों के विभिन्न स्वत्वों का भुगतान समय पर सुनिश्चित करने तथा पेंशन प्रकरणों को अनावश्यक रूप से लिंबित नहीं रखने के निर्देश दिए।

वित्तीय लक्ष्यों की पूर्ति पर जोर: कलेक्टर ने कहा कि वित्तीय वर्ष की छमाही पूर्ण होने वाली है। सभी विभाग निर्धारित लक्ष्यों और अब तक की प्रगति की समीक्षा करें। जिन योजनाओं में लक्ष्य अपेक्षित स्तर तक प्राप्त नहीं हुए हैं, उनमें विशेष प्रयास करते हुए शेष अवधि में प्रगति बढ़ाई जाए। स्वरोजगार संबंधी लक्ष्यों को समय पर पूर्ण करने, राजस्व वसूली में तेजी लाने तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए।

सीधी जिले में अब तक 945 मिमी औसत वर्षा, पिछले साल की तुलना में 165.9 मिमी कम बारिश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में मानसून के दौरान अब तक 945.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। वहीं 31 अगस्त को जिले में 31.4 मिमी औसत बारिश हुई। तहसीलवार आंकड़ों में कुसुमी में सर्वाधिक 80 मिमी वर्षा दर्ज की गई। राजस्व एवं भू-अभिलेख विभाग द्वारा जारी वर्षा संबंधी आंकड़ों के अनुसार जिले में बारिश का वितरण अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग रहा। 31 अगस्त को सिहावल में 59.4 मिमी, गोपद बनास में 26 मिमी, मझौली में 7 मिमी, बहरी में 19.8 मिमी, रामपुर नैकिन में 18 मिमी तथा चुरहट में 10 मिमी वर्षा दर्ज की गई। इस तरह एक ही दिन में जिले में औसतन 31.4 मिमी बारिश रिकॉर्ड हुई।

सिहावल में सबसे ज्यादा 1263 मिमी बारिश: विभाग के अनुसार 1 जून से 31 अगस्त 2026 तक जिले में कुल 945.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। इस प्रकार जिले में तहसीलवार आंकड़ों पर नजर डालें तो सिहावल में सबसे अधिक 1263.0 मिमी वर्षा हुई है। इसके बाद कुसुमी में 1218.4 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं मझौली में 889.0 मिमी, गोपद बनास में 869.8 मिमी, चुरहट में 818.5 मिमी, बहरी में 812.4 मिमी तथा रामपुर नैकिन में सबसे कम 743.2 मिमी औसत वर्षा रिकॉर्ड की गई है। बारिश के इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि जिले के कुछ क्षेत्रों में अच्छी वर्षा हुई है, जबकि कई तहसीलों में औसत वर्षा तुलनात्मक रूप से कम रही है। विशेष रूप से सिहावल और कुसुमी में इस माससून सीजन में अच्छी बारिश दर्ज की गई है।

पिछले वर्ष से 165.9 मिमी कम बारिश: वर्षा के आंकड़ों के मुताबिक पिछले वर्ष इसी अवधि यानी 1 जून से 31 अगस्त तक जिले में 1110.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई थी। इस वर्ष अब तक 945.0 मिमी बारिश हुई है। इस प्रकार पिछले वर्ष की तुलना में जिले में 165.9 मिमी कम वर्षा दर्ज की गई है। बारिश की स्थिति पर प्रशासन एवं संबंधित विभागों द्वारा नजर रखी जा रही है। तहसीलवार वर्षा के आंकड़े नियमित रूप से दर्ज किए जा रहे हैं, जिससे जिले में मानसून की स्थिति का आकलन किया जा सके।

आंगनवाड़ी सहायिका की नियुक्ति में रिश्तत मांगने के आरोप पर प्रभारी परियोजना अधिकारी निर्लांबित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। आंगनवाड़ी सहायिका की नियुक्ति के एवज में एक लाख रुपये रिश्तत मांगने के आरोप में कलेक्टर विकास मिश्रा ने ज्योति विश्वकर्मा, पर्यवेक्षक एवं प्रभारी परियोजना अधिकारी, बाल विकास परियोजना मझौली को तत्काल प्रभाव से निर्लांबित कर दिया है। मामला आंगनवाड़ी केन्द्र पांड क्रमांक-01 में सहायिका के पद पर नियुक्ति से संबंधित है। आवेदिका किरण बैगा द्वारा इस संबंध में शिकायत की गई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि नियुक्ति के एवज में ज्योति विश्वकर्मा द्वारा व्यक्तिगत रूप से तथा फोन के माध्यम से एक लाख रुपये रिश्तत की मांग की जा रही थी। शिकायत पर प्राप्त निर्देशों के बाद मामले की जांच की गई। जांच के दौरान नियुक्ति प्रक्रिया में एक माह से अधिक का विलंब किए जाने के साथ ही रिश्तत की मांग से संबंधित तीन ऑडियो प्रमाण भी पाए गए। जांच में सामने आए तथ्यों को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने ज्योति विश्वकर्मा के कृत्य को मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आवरण) नियम, 1965 के प्रावधानों के विपरीत एवं कदाचरण की श्रेणी में माना। कलेक्टर द्वारा मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम-9 के तहत ज्योति विश्वकर्मा को तत्काल प्रभाव से निर्लांबित किया गया है। निर्लांबन अवधि में उनका मुख्यालय कार्यालय परियोजना अधिकारी, बाल विकास परियोजना रामपुर नैकिन क्रमांक-01, जिला सीधी निर्धारित किया गया है। उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

डिजिटल श्रम चौक पोर्टल पर श्रमिक एवं नियोजक कराएं पंजीयन

श्रमिकों को रोजगार के अवसर और नियोजकों को आवश्यकता के अनुरूप श्रमिक उपलब्ध कराने की पहल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सहायक श्रम पदाधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले के समस्त श्रमिकों एवं नियोजकों की सुविधा के लिए डिजिटल श्रम चौक पोर्टल प्रारंभ किया गया है। पोर्टल के माध्यम से श्रमिकों को रोजगार के अवसरों से जोड़ने तथा नियोजकों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप श्रमिक उपलब्ध करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि श्रमिक डिजिटल श्रम चौक पोर्टल पर अपनी योग्यता, कौशल एवं कार्य अनुभव से संबंधित जानकारी दर्ज कर रोजगार के उपलब्ध अवसरों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। वहीं नियोजक अपनी श्रम आवश्यकता के अनुसार पोर्टल पर उपलब्ध पंजीकृत श्रमिकों की जानकारी प्राप्त कर सहायक श्रम पदाधिकारी ने जिले के समस्त श्रमिकों एवं नियोजकों से अपील की है कि वे डिजिटल श्रम चौक पोर्टल पर अपना पंजीयन करवाते हुए आवश्यक विवरण अद्यतन करें और पोर्टल पर उपलब्ध सुविधाओं का अधिक से अधिक उपयोग करें। उन्होंने जिले के औद्योगिक एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों तथा संबंधित संगठनों से भी अनुरोध किया है कि डिजिटल श्रम चौक पोर्टल का अधिकाधिक प्रचार-प्रसार करते हुए श्रमिकों एवं नियोजकों को इसके उपयोग के लिए प्रेरित करें। पोर्टल के प्रभावी उपयोग से अधिक से अधिक श्रमिकों को उनकी योग्यता एवं कौशल के अनुरूप रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी।

संबल हितग्राही अनिवार्य रूप से पूर्ण कराएं आधार ई-केवाईसी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सहायक श्रम पदाधिकारी ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार संबल योजना के हितग्राहियों के लिए सदस्य सम्प्रदाई की आधार ई-केवाईसी पूर्ण करना अनिवार्य है। ई-केवाईसी पूर्ण होने के बाद ही असंगठित श्रमिक (संबल) के पंजीयन एवं योजना के अंतर्गत विभिन्न हितलाभ प्राप्त करने के लिए आवेदन किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि जिले में संबल योजना के अंतर्गत कुल 3,50,971 श्रमिक पंजीकृत हैं। इनमें से 3,13,572 श्रमिकों की ई-केवाईसी पूर्ण हो चुकी है, जबकि 32,419 श्रमिकों की ई-केवाईसी अभी लिंबित है। ई-केवाईसी पूर्ण नहीं

कराने वाले पंजीकृत संबल कार्डों को मंडल द्वारा संबल पोर्टल पर निष्क्रिय (डिसेबल) कर दिया गया है। सहायक श्रम पदाधिकारी ने जिले के सभी पंजीकृत संबल कार्डधारी श्रमिकों से अपील की है कि वे अपने संबल कार्ड की ई-केवाईसी तत्काल पूर्ण कराएं। यदि किसी योजना के अंतर्गत लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदन प्रस्तुत करते हैं, तो संबंधित निकाय में समस्या का उल्लेख करते हुए सूचना अथवा आवेदन प्रस्तुत करें, ताकि आवश्यक कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि ई-केवाईसी पूर्ण नहीं होने की स्थिति में श्रमिक भविष्य में संबल योजना के अंतर्गत मिलने वाले हितलाभ से वंचित हो सकते हैं।

बारिश के बीच रीवा नगर निगम की कार्रवाई, वार्ड-34 में जर्जर भवन जेसीबी से गिराया



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। बारिश एवं अतिवृष्टि को देखते हुए नगर निगम रीवा ने जर्जर और भयप्रद भवनों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। निगम आयुक्त अश्वत जैन के निर्देश पर जनसुरक्षा को ध्यान में रखते हुए शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में ऐसे भवनों का निरीक्षण किया जा रहा है, जिनसे बारिश के दौरान हादसे की आशंका बनी हुई है। चिन्हित भवनों को नियमानुसार नोटिस जारी कर

निगम की टीम ने वार्ड क्रमांक 34 स्थित मकान क्रमांक 149 का निरीक्षण किया। यह मकान नादिर खान पिता बजीर खान के नाम बताया गया है। निरीक्षण के दौरान भवन की दीवारें कच्ची एवं मिट्टी से निर्मित पाई गईं। लगातार बारिश के कारण भवन की स्थिति जर्जर हो गई थी और उसके गिरने की आशंका बनी हुई थी। आसपास रहने वाले लोगों की सुरक्षा को देखते हुए नगर निगम ने भवन को संवेदनशील मानते हुए कार्रवाई



सुरक्षित तरीके से हटाने अथवा आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सोमवार को नगर

की नगर निगम अधिकारियों के अनुसार भवन स्वामी को नियमानुसार नोटिस जारी कर 24 घंटे के भीतर जर्जर भवन को स्वयं सुस्थित तरीके से हटाने के निर्देश दिए गए थे। निर्धारित समयवधि में भवन नहीं हटाए जाने के बाद नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची। कार्रवाई के दौरान आसपास सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई और जेसीबी मशीन की सहायता से जर्जर भवन को सुरक्षित तरीके से गिराया गया। नगर निगम की इस कार्रवाई का उद्देश्य बारिश के दौरान कमजोर भवनों के गिरने से होने वाली संभावित दुर्घटनाओं को रोकना है। निगम अधिकारियों ने बताया कि अतिवृष्टि के दौरान कच्चे एवं पुराने भवनों की स्थिति तेजी से खराब हो सकती है। ऐसे में भवनों का समय रहते निरीक्षण और आवश्यक कार्रवाई जनसुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

सोन नदी में महिला का शव मिला :सीधी में अंतिम संस्कार के बाद बहने की आशंका



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी के अमिलिया-जोगदहा पुल के पास रविवार देर रात सोन नदी में एक अज्ञात महिला का शव बहता दिखा। ग्रामीणों ने रात करीब 12 बजे अमिलिया-जोगदहा पुल के पास शव देखकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस के पहुंचने से पहले शव तेज बहाव में आगे बह गया। फिलहाल महिला की पहचान नहीं हो सकी है।

तेज बहाव में बह गया शव: सूचना मिलते ही थाना प्रभारी रakesh बैस पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने नदी के किनारे और आसपास के संभावित स्थानों पर उसकी तलाश शुरू की है। बाढ़ की स्थिति को देखते हुए शव के कई किलोमीटर दूर बह जाने की आशंका है।

मौत की वजह स्पष्ट नहीं: थाना प्रभारी ने प्रारंभिक तौर पर आशंका जताई है कि किसी स्थान पर अंतिम संस्कार के बाद शव नदी में बहाया गया होगा। तेज बहाव के कारण शव अमिलिया-जोगदहा पुल तक पहुंचने की बात कही गई है। हालांकि, महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई और शव नदी में कैसे पहुंचा, यह स्पष्ट नहीं है। क्षेत्र में लगातार बारिश के कारण सोन नदी उफ़ान पर है। अमिलिया-जोगदहा पुल के पास तेज बहाव के साथ लकड़ियां और लुटे हुए बालू आ रहे हैं। बाणसागर नहर का गेट खोले जाने से भी नदी में पानी का प्रवाह बढ़ हुआ बताया गया है।

स्थिति के अनुसार तत्काल आवश्यक कदम उठाए जा सकें। अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। यदि नदी का जलस्तर और बढ़ता है तो संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा।

एसडीओपी ने किया प्रभावित क्षेत्रों का दौरा: सोन नदी में बढ़ते जलस्तर के बीच एसडीओपी ललित बैरागी ने संवेदनशील एवं संभावित प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर जमीनी स्थिति का जांचा लिया। उन्होंने मौके पर मौजूद पुलिस टीम से स्थिति की जानकारी ली और लगातार निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए।

बाणसागर के 7 गेट खुले, सोन नदी का बढ़ा जलस्तर; चितरंगी के 64 गांवों पर बाढ़ का खतरा

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। बाणसागर परियोजना के सात गेट खोले जाने के बाद सिंगरौली जिले के चितरंगी क्षेत्र में सोन नदी का जलस्तर बढ़ने लगा है। नदी में लगातार बढ़ते पानी को देखते हुए प्रशासन ने एहतियात के तौर पर अलर्ट जारी करते हुए नदी किनारे और निचले इलाकों में निगरानी बढ़ा दी है। संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए चितरंगी विकासखंड के करीब 64 गांवों को संवेदनशील माना जा रहा है। जलस्तर बढ़ने के बाद पुलिस और राजस्व विभाग की टीमों संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार नजर बनाए हुए हैं। प्रशासन की ओर से नदी किनारे बसे ग्रामीणों को सतर्क रहने की समझाइश दी जा रही है। लोगों से



अपील की गई है कि बड़े हुए जलस्तर को देखते हुए नदी, नाले और जलभराव वाले स्थानों के नजदीक जाने से बचें। विशेष रूप से बच्चों और मवेशियों को नदी एवं अन्य जलस्रोतों से दूर रखने की सलाह दी गई है।

संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस बल तैनात: संभावित बाढ़ और

जलस्तर बढ़ने से किसी तरह की अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस बल को संवेदनशील स्थानों पर तैनात किया गया है। पुलिस एवं राजस्व अमला सोन नदी के जलस्तर पर लगातार नजर रख रहा है। प्रशासन द्वारा जलस्तर में होने वाले बदलाव की जानकारी जुटाई जा रही है ताकि

मैहर में सीमेंट प्लांट के खिलाफ युवाओं का प्रदर्शन, स्थानीय रोजगार और ओवरलोड वाहनों पर रोक की मांग



मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता देने और

सड़कों पर ओवरलोड वाहनों के संचालन पर रोक लगाने की मांग को लेकर सोमवार को मैहर में

युवाओं ने प्रदर्शन किया। युवा नेता दिलीप दुबे के नेतृत्व में सैकड़ों युवाओं ने स्टैंडियम से अल्ट्राटेक

ओवरलोड वाहनों पर कार्रवाई की मांग: युवाओं ने क्षेत्र की सड़कों पर चलने वाले

ओवरलोड वाहनों को लेकर भी नाराजगी जताई। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि क्षमता से अधिक भार लेकर चलने वाले वाहनों से सड़कों को नुकसान पहुंच रहा है। उन्होंने प्रशासन और प्लांट प्रबंधन से ओवरलोड वाहनों के संचालन पर सख्ती से रोक लगाने तथा नियमों का पालन सुनिश्चित करने की मांग की।

तेज बारिश में भी गेट पर डटे रहे प्रदर्शनकारी: प्रदर्शन के दौरान तेज बारिश शुरू हो गई, लेकिन इसके बावजूद युवा सीमेंट प्लांट के मुख्य द्वार के सामने अपनी मांगों को लेकर डटे रहे। प्रदर्शन की सूचना मिलने पर नायब तहसीलदार साधना सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर

पहुंचीं। उन्होंने प्रदर्शनकारियों से चर्चा कर उनकी मांगों और समस्याओं की जानकारी ली। प्रशासन की मौजूदगी में युवाओं ने कंपनी प्रबंधन को अपना जापन सौंपा। जापन के माध्यम से स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता देने और ओवरलोड वाहनों के संचालन पर रोक लगाने सहित अन्य मांगें रखी गईं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को आगे और व्यापक किया जाएगा। युवाओं ने प्रशासन से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाने तथा क्षेत्र की सड़कों की सुरक्षा के लिए ओवरलोड वाहनों पर प्रभावी कार्रवाई की मांग की।

डिजिटल जाल में बचपन

प्लेटफॉर्म सुनिश्चित करें सुस्था जवाबदेही भारत में लंबे समय से अभिभावक, शोध निष्कर्ष और मीडिया बता रहा है कि बच्चों पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का घातक प्रभाव पड़ रहा है। लेकिन हमारे नीति-निर्माता इस तरह के मामलों में तब ध्यान देते हैं जब इस बाबत निष्कर्ष पश्चिमी देशों, खासकर अमेरिका से आए। फेसबुक और इंस्टाग्राम से बच्चों को हुए नुकसान को लेकर पिछले दिनों अमेरिका की अदालतों में वाद दायर किए गए। इस बाबत किए गए दावों के बाद मध्य की 18

अब डॉक्टर तक भुगतान करने का फैसला करने में अदालतों ने दिया। इस जुर्मने से इस बात को सभी भी मान्यता मिली है कि नुकसान सिर्फ शोशल वर्कर्स, मीडिया के इस्तेमाल के तरीके से ही नहीं होता, बल्कि उनको डिजाइन से भी हो सकता है। आपोप लगे थे कि इन शोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को इस तरह से डिजाइन किया गया। यह है कि बच्चों को इसकी लत लग जाती है। यह है कि दरअसल, यह निष्कर्ष मल्टीप्ले है कि किस तरह रहने बच्चों को उपयोक्ता में तब्दील किया जा रहा है। चिंता को बात यह है कि माता-पिता

स्कान टाइम को तो सीमित कर सकते हैं, लेकिन वे उन एल्गोरिदम को नहीं देख सकते हैं, जो यह तय करते हैं कि उन घंटों के दौरान बच्चा क्या देखता है। दरअसल, उन स्लेटफॉर्म द्वारा बड़ी ही चालाकी से इन्फॉर्मेट स्कॉलिंग, पर्सनलाइज्ड रिकमेंडेशन, नोटिफिकेशन, लाइव्स और दूसरे एंगेजमेंट टूल इस तरह डिजाइन किए जाते हैं कि वे बच्चों का बार-बार ध्यान खींचें।

आर उहें छोटो स्कॉन पर वापस लाएँ।
दरअसल, अधिभावकों ने अमेरिकी अदालत
में कहा कि प्रश्न यह नहीं
है कि बच्चे अधिकार
समय तक
ऑनलाइन रहते हैं,
बल्कि यह है कि प्लेटफॉर्मों पर
को बच्चों को लत लगाने के लिये डिजाइन
किया गया है। मेटा ने कुछ सुरक्षा उपायों को
लेकर प्रस्ताव रखे हैं, जिसमें रोजाना की
सीमाएँ, रात के समय की पाबंदियाँ तथा

लागतातर बढ़ावा देने वाले फीचर्स में बदलाव शामिल है। लेकिन इनसे बचने के लिए कंपनी का निष्ठापूर्ण आधारित बिजनेस मॉडल काफी दृढ़ तक वैसा ही बना रहेगा। इससे अभिभावकों को चिंता बढ़ी है कि जब तक कंपनी का व्यावसायिक मॉडल नहीं बदलेगा, संप्रदायिक नतीजों को उम्मीद बेगानी होगी। अमेरिका में अभिभावकों को जीत के बाद भारत को सबक लेते हुए जल्दबाजी में हट पर पूरी तरह बैन लगाने से बचना चाहिए। सारी जिम्मेदारी अभिभावकों की जीत में न हो। इसके लिए

डिजिटल नियम बनने, उनमें प्लेटफॉर्मों को प्रोडक्ट डिजाइन से होने वाले संभावित नुकसान हेतु जवाबदेह बनाना चाहिए। साथ ही बच्चों को लक्षित करने वाले व्यवहार संबंधी विज्ञापनों पर सख्त रोक लगानी चाहिए। बच्चों द्वारा प्रयुक्त किए जाने वाले रिकमेंडेशन सिस्टम का कंट्रोल ऑफ़्ट हो। वहाँ उप की पुष्टि करने वाले सिस्टम को बच्चों की निजी जानकारी का ऐसा डेटाबेस नहीं बनाना चाहिए, जो उनकी निजता में हस्तक्षेप कर सके।

आरक्षण की राजनीति

डॉ.अरविंद नाथ तिवारी

राजनीति राजनीति में जाति, आरक्षण और सामाजिक न्याय का प्रश्न क्यों नया नहीं है। आजादी के बाद से ही सामाजिक रूप से वंचित वर्गों को मुख्याधार में लाने के लिए संविधान ने विषय प्रावधान किए। समय के साथ आरक्षण केवल सामाजिक प्रतिनिधित्व का माध्यम नहीं रहा, बल्कि वह भारतीय चुनावी राजनीति का एक प्रभावाश्रयी हथियार भी बन गया। आज स्थिति यह है कि सत्ता पक्ष को या विपक्ष, दोनों दल सामाजिक न्याय, संविधान और आरक्षण के सबालों को अपने-अपने राजनीतिक हितों के अनुरूप इस्तेमाल करने दिखाई देते हैं। इससे समाज का एक बड़ा वर्ग स्वयं को राजनीतिक रूप से ठग्रा हुआ महसूस कर रहा है। हाल में राहुल गांधी द्वारा एक दलित नेता के कार्यक्रम के बाद कथित रूप से स्थान के शुद्धिकरण को लेकर दिया गया बयान इसी राजनीतिक बयान के हिस्से बन गया है। उनका कहना था कि यदि किसी व्यक्ति को जितना अधिक बार किसी स्थान का शुद्धिकरण किया गया है तो वह छुआछूत की मानसिकता को दर्शाता है और इस पर कानूननी कार्रवाई होनी चाहिए। इसी बयान को लेकर हलुगुनी कोठवाली में अमित कुमार द्वारा शिकावत किए जाने और पुलिस द्वारा प्राथमिकी दर्ज किए जाने की बात सामने आई है। शिकायतकर्ता ने स्वयं को अनुसूचित जाति समुदाय से बताते हुए आरोप लगाया है कि राहुल गांधी ने पूरे तथ्य बिना सफाई की सामान्य प्रक्रिया को जातिगत भेदभाव से जोड़ दिया। यह मामला केवल एक राजनीतिक बयान या प्राथमिकी तक सीमित नहीं है। इसके पीछे भारतीय राजनीति में जाति की लगातार बढ़ती भूमिका का बड़ा प्रश्न खड़ा हुआ है। यदि वास्तव में किसी व्यक्ति को उसकी कतिपय के लिए आरक्षण प्रदान किया गया है तो निश्चित रूप से कानून को अपना काम करना चाहिए। लेकिन दूसरी ओर, किसी परामर्श प्रदायक, धार्मिक अथवा सामाजिक प्रक्रिया को बिना पर्याप्त तथ्य के जटिलत भेदभाव का नाम देना भी गंभीर विषय है। सामाजिक न्याय की लड़ाई तभी मजबूत होगी जब आरोग्य तथ्य और प्रमाण पर आधारित हों, न कि राजनीतिक सुविधा पर। इसी तरह विषयवस्तु अनुदान आयोग के नियम और आर्थिक आधार पर आरक्षण सहित विभिन्न मांगों को लेकर जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शनों के बाद केंद्रीय नेताओं के बयानों ने आरक्षण की राजनीति को एक बार फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। राजनाथ सिंह, अमित शाह और चिराग पासवान जैसे नेताओं के बयानों को लेकर भी राजनीतिक बेस तब हो रहा है। इससे यह सबाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर सत्ता और विपक्ष भारतीय समाज को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं?

विपक्ष पर अक्सर यह आरोप लगाया जाता है कि वह संविधान, मनुस्मृति पर छुआछूत जैसे मुद्दों को राजनीतिक हथियार बनाकर दलित मतदाताओं को अपने पक्ष में लाभबंद करना चाहती है। दूसरी ओर सत्ता पक्ष पर भी आरोप है कि वह आरक्षण और संविधान की राजनीति के माध्यम से विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच अपना चुनावी आधार मजबूत करने का प्रयास करती है। यदि दोनों पक्षों की राजनीति का केंद्र केवल चुनावी गणित बन जाय तो सामाजिक न्याय का मूल उद्देश्य पीछे छोड़ सकता है। यहाँ एक महत्वपूर्ण तथ्य को स्पष्ट करना भी आवश्यक है। भारतीय संविधान में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों के लिए राजनीतिक प्रतिनिधित्व संबंधी आरक्षण की प्राथमिक अवधि दस वर्ष निर्धारित की गई थी, लेकिन सदन ने सर्वेक्षणक संशोधनों के माध्यम से इसे लगातार आगे बढ़ाया है। इसलिए यह कहना कि भारत में हर प्रकार का आरक्षण केवल दस वर्ष के लिए था। आरक्षण का मूल उद्देश्य उन समुदायों को अवसर देना था जिन्हें सदियों तक सामाजिक भेदभाव और अवसरों की असमानता का सामना करना पड़ा, यह उद्देश्य आज भी महत्वपूर्ण है। लेकिन सात दशक से अधिक समय बाद यह सबाल पुछना भी लोकतांत्रिक अधिकार है कि आरक्षण व्यवस्था का लाभ सबसे अधिक जरूरतमंद व्यक्ति तक किस प्रकार पहुंचे। क्या लाभ एक सीमित वर्ग तक ही केंद्रित हो रहा है? क्या आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के निहित आरक्षण के दर्या से बाहर रहने वाले परिवारों के लिए पर्याप्त अवसर हैं? क्या शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में इसी व्यवस्था बनाई जा सकती है जिससे किसी व्यक्ति को केवल जाति के आधार पर ही, बल्कि उसकी वास्तविक सामाजिक और आर्थिक स्थिति के आधार पर भी सहायता मिले? आर्थिक आधार पर आरक्षण की मांग इसी व्यापक बहस का हिस्सा है।

कांतिलाल मांडोत

मेरिका और भारत के बीच रक्षा सहयोग पिछले कुछ वर्षों में लगातार बढ़ता हुआ है। जैवलिन प्रणाली को लेकर लंबे समय से चल रही बातचीत का आगे बढ़ना इसी बढ़ते रणनीतिक सहयोग का संकेत है। अमेरिकी कंपनियों लॉकहीड मार्टिन और रैथियॉन द्वारा विकसित जैवलिन को दुनिया की प्रमुख एंटी टैंक मिसाइल प्रणालियों में गिना जाता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता लक्ष्य को पहले से निर्धारित कर उसके बाद मिसाइल को स्वतः मार्गदर्शन के जरिए लक्ष्य तक पहुंचाने की क्षमता है। यही कारण है कि आधुनिक युद्ध में ऐसी प्रणालियां पैरल सेनिकों की क्षमता को कई गुना बढ़ाने वाली मानी जाती हैं। भारत के लिए इस सौदे का महत्व केवल किसी विदेशी हथियार की खरीद तक सीमित नहीं है। इसके पीछे व्यापक रणनीतिक सोच भी दिखाई देती है। भारतीय सेना को चीन और पाकिस्तान से जुड़ी दोहरी सुरक्षा चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। एक ओर पश्चिमी सीमा पर मैदानी और रेंगिस्तानी क्षेत्र हैं, वहीं दूसरी ओर उतरी सीमा पर अत्यधिक ऊँची, बड़े दुरंग इलाके हैं। ऐसे में हवाई, मोबाइल और आधुनिक एंटी टैंक प्रणालियों सेना की परिचालन क्षमता को मजबूत कर सकती हैं। जैवलिन के साथ भारत की रक्षा रणनीति का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू स्वदेशी उत्पादन है। भारत लगातार इस दिशा में आगे बढ़ रहा है कि भविष्य में अत्याधुनिक हथियारों के लिए विदेशी निर्भरता कम से कम हो। इसी सोच के तहत देश में एंटी टैंक मिसाइलों की स्वदेशी क्षमता विकसित की जा रही है। डीआरडीओ की स्वदेशी प्रणालियां इसी प्रयास का हिस्सा हैं। विदेशी तकनीक और घरेलू उत्पादन क्षमता का संयोजन आने वाले वर्षों में भारतीय रक्षा उद्योग को और मजबूत कर सकता है। 'शेर' के साथ आत्मनिर्भरता को नई धार

भारतीय रक्षा आत्मनिर्भरता की तस्वीर केवल मिसाइलों तक सीमित नहीं है। अमेठी के कोरवा स्थित कारखाने में तैयार की जा रही एके-203 असॉल्ट राइफल इसका बड़ा उदाहरण है। 'शेर' नाम से पहचानी जा रही यह राइफल भारतीय सैनिकों को आधुनिक व्यक्तिगत हथियार उपलब्ध कराने की दिशा में

जाता। डोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सटीक निशाना साधने वाली प्रणालियाँ, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और वास्तविक समय में मिलने वाली खुफिया जानकारी युद्ध की दिशा तय करने लगे हैं। भारतीय सेना भी इसी बदलते स्वरूप के अनुरूप अपनी क्षमताओं में बदलाव कर रही है। हाल के वर्षों में सेना ने निगरानी

सैन्य प्रतिष्ठानों की सुरक्षा बढ़ाने में मदद मिलेगी। तोपों से लेकर लड़ाकू विमानों तक मजबूत होती शक्ति भारत की सैन्य शक्ति का विस्तार केवल थल सेना तक सीमित नहीं है। स्वदेशी तोप प्रणालियाँ, आधुनिक रॉकेट सिस्टम और लंबी दूरी तक प्रभावी हथियार भारतीय सेना की मारक क्षमता को मजबूत

की स्वदेशी तकनीकी क्षमता को दर्शाती हैं। बहोस सुरस्योनिक कृज म्मिषाडल ने भारत की सटीक और तेज प्रहार करने की क्षमता को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई है। ऑपरेशन के अनुभव से भविष्य की तैयारी हाल के सैन्य अनुभवों ने यह स्पष्ट किया है कि आने वाले समय में सेना को अधिक तेज, तकनीक आधारित और लचीला होना होगा। इसी सोच के साथ सैन्य ढांचे में भी बदलाव किए जा रहे हैं। नई मिशन-रेड्डी इकाइयाँ और तेजी से कार्वर्ड करने वाली संरचनाओं का विकास इस बात का संकेत है कि सेना भविष्य के संघर्षों के लिए पारंपरिक ढांचे से आगे बढ़कर तैयारी कर रही है। आधुनिक युद्ध में सूचना सबसे महत्वपूर्ण हथियारों में से एक बन चुकी है। दुश्मन की गतिविधियों की समय रहते जानकारी हासिल करना, उसका विश्लेषण करना और उसके आधार पर तुरंत निर्णय लेना युद्ध के परिणाम को प्रभावित कर सकता है। इसलिए निगरानी ड्रोन्, सेंसर, संचार प्रणाली और रियल टाइम सूचना नेटवर्क पर बढ़ता जोर भारतीय सेना के बदलते स्वरूप को दर्शाता है। सैनिकों की व्यक्तिगत सुरक्षा और क्षमता में भी लगातार सुधार किया जा रहा है। आधुनिक अर्मास्ट्रेड राइफल, बेहतर सुरक्षा उपकरण, बैलिस्टिक हेलमेट और अन्य व्यक्तिगत सैन्य उपकरण सैनिकों को अधिक सुरक्षित और सक्षम बनाने में मदद कर रहे हैं। इसका उद्देश्य केवल हथियारों की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि सैनिक को बेहतर तकनीक और सुरक्षा से लैस करना है। भारत की रक्षा नीति का सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्य अब आत्मनिर्भरता है। पिछले कुछ वर्षों में देश में रक्षा उत्पादन का स्तर तेजी से बढ़ा है और घरेलू कंपनियों की भागीदारी भी बढ़ी है। इसका सीधा असर आयात पर निर्भरता कम करने और भारत को रक्षा उपकरणों के निर्माण का बड़ा केंद्र बनाने के प्रयासों पर पड़ रहा है।



महत्वपूर्ण कदम है। भारत में इसके उत्पादन से न केवल सेना की जरूरतें पूरी करते हैं मदद मिलेगी, बल्कि देश में रक्षा विनिर्माण का आधार भी व्यापक होगा।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का अर्थ अब केवल हथियार बनाना नहीं रह गया है। इसका मतलब डिजाइन, अनुसंधान, उत्पादन, परीक्षण, रखरखाव और तकनीकी उन्नयन का पूरी व्यवस्था को देश के भीतर मजबूत करना है। भारत इसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। निजी क्षेत्र और सरकारी रक्षा प्रणितयनों की बढ़ती भागीदारी ने देश के रक्षा उद्योग को नई गति दी है।

युद्ध की तस्वीर बदली, सेना भी बदल रही

आज का युद्ध केवल टैंक, तोप और राइफल के सहारे नहीं लड़ा

और सटीक प्रहार करने वाली तकनीकों पर विशेष जोर दिया है। लंबे समय तक निगरानी रखने वाले ड्रोन्स, काँकिकाजी ड्रोन्स, आधुनिक रॉकेट प्रणाली और अन्य मानवरहित तकनीकें सैन्य अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इन प्रणालियों की मदद से दुश्मन की गतिविधियों पर दूर से नजर रखने और जरूरत के समय सटीक कार्रवाई करने की क्षमता बढ़ती है। ड्रोन्स के बढ़ते खर्च के देखते हुए भारतीय सेना ने अपनी वायु रक्षा व्यवस्था को भी मजबूत किया है। बहुत कम ऊँचाई पर उड़ने वाले लक्ष्यों में ड्रोन्स से निपटने के लिए नई पीढ़ी की वायु रक्षा और काउंटर-ड्रोन्स प्रणालियों पर जोर दिया जा रहा है। इससे युद्ध के मैदान में सैनिकों और महत्वपूर्ण

कर रहे हैं। वायुसेना में तेजस जैसे स्वदेशी लड़ाकू विमान और राफेल जैसे आधुनिक लड़ाकू विमान भारत को हवाई क्षमता को नई मजबूत करने देते हैं। अगचे जैसे लड़ाकू हेलीकॉप्टर भी जमीनी अभियानों में सेना को महत्वपूर्ण हवाई समर्थन उपलब्ध कर रहे हैं। समुद्री क्षेत्र में भी भारत की स्थिति लगातार मजबूत हुई है। स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रत देश की बढ़ती समुद्री क्षमता और जहाज निर्माण में आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। परमाणु पनडुब्बियों के साथ भारतीय नौसेना हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी रणनीतिक उपस्थिति को लगातार मजबूत कर रही है। मिसाइल क्षेत्र में भी भारत ने उल्लेखनीय क्षमता विकसित की है। आकाश, अस्त्र, नाग और प्रलय जैसी प्रणालियां देश

बेटी बचाओ पर भारी पड़ रहे हैं सिरफिरे शोहदे !

यथा किसी बेबुजान लड़की की प्यार के इन्कार को रवीकार नहीं करने पर जान लेना प्यार हो सकता है? यह तो निरी जबरदस्ती और निहायत जादगिरी का अराजक व्यवहार है। आप दिन शोन्दे अपने इन्कार को ईंकार मिलने पर मासु लसकियों का कलक कर रहे हैं देश की राक्षसाधनी नहीं दिल्ली में ही जहां कानून व्यवस्था सख्त मानी जाती है पिछले कुछ समय में दूनोनों ऐसी वारदात हुई है आखिर यह सब क्या है? एकतरफा प्याशादी से इन्कार या ब्रेकअप के बाद लसकियों युवतियों के खिलाफ होने वाले हिंसा और हत्याएं एक गंभीर सामाजिक समस्या हैं, जिसे केवल आशिकी या दीवानगी का नाम देकर रूक नहीं आया जा सकता है। इस प्रकार के अपराधों के पीछे जरूरी मानसिक विकृति, हिंसक मानसिकता और सामाजिक कमियां जिम्मेदार होती हैं। हाल ही में देश के विभिन्न हिस्सों से ऐसे कई मामले सामने आए हैं जो इतना गंभीर स्थिति को दर्शाते हैं। हाल ही में इसी तरह की एक रूढ़ कथा देने वाली वारदात को अंजाम दिया गया है।

मनोज कुमार अग्रवाल

दिल्ली तिलक नगर अगस्त 2026 में 21 वर्षीय मंडल मुस्कान को एक ज़िम्मेदार इमरान द्वारा उसके घर में घुसकर चाकू से हत्या कर दी गई, क्योंकि वह एकतरफा प्यार में उसे परेशान कर रहा था। कर्नाटक मंगलुरु जुलाई 2026 में 21 वर्षीय लावण्या को एकतरफा प्रेमी द्वारा बस से पीछा करके चाकू-मारकर निर्मम हत्या कर दी गई, क्योंकि उसने प्रेम प्रस्ताव ठुकरा दिया था। शुरुआती जांच के अनुसार, इमरान पिछले डेढ़ साल से मुस्कान को परेशान कर रहा था और उस पर शादी का दबाव बना रहा था। मुस्कान ने उससे दूरी बना ली थी और ज़िम्मा ज़िम्मा भी छोड़ दिया था। ये तो सिर्फ बानगी है देश के अधिकांश जिलों में कहीं न कहीं इस तरह की वारदातें सामने आ चुकी हैं। इसे पितृसत्तात्मक समाज की लैंगिक असमानता भरी परक़रिश से पैदा खूनी हनक करार दिया जाए या युवा शोहदों में पैदा हो रहा ज़ूनून भरा अनैतिक और दमनकारी दुराचरण जिसके चलते शोहदें यदि भरी नहीं होगी तो किसी की नहीं होगी की जिद्दी नफरत पाल रहे हैं। दरअसल समाज और कानून का खतम होता खौफ भी इसके लिए जिम्मेदार है। लम्बी कानूनी प्रक्रिया गवाहों को सुरक्षा न मिलना मुलाजिमों को जमानत मिल जाना और कई साल की सुनवाई के बाद भरी हो जाना ऐसे अपराधिक प्रवृत्ति वाले शोहदों के लिए ध्वंशरणा का आधार बना है। आपको हला

की वारदातों की गंभीरता से अवगत कराने का प्रयास करते हैं। इसी अगस्त माह में ही 24 अक्टूबर बाद में अंतिम नाम का एक 21 वर्षीय युवक बिना नंबर की बाइक से एक स्कूल परिसर में घुसा। उसने खुद को संध्या नाम की लड़की का पिता बताकर उसे क्लास से बाहर बुलाया और फिर चाकू से ताजेजुद्ध वार कर उसकी हत्या कर दी। कर्नाटक मंगलुरु जुलाई 2026 में 21 वर्षीय लावण्या की एकतरफा प्रेमी द्वारा बस से पीछा करके चाकू मारकर निर्निम हत्या कर दी गई, क्योंकि उसने प्रेम प्रस्ताव ठुकरा दिया था। हरियाणा के मोहाली में जून 2026 में डिलप नामक युवती की उसके पूर्व प्रेमी ने ब्रेकअप से परेशान होकर उसके ऑफिस के अंदर चाकू मारकर हत्या कर दी। केंद्र शासित राज्य चंडीगढ़ में भी फरवरी 2026 में 23 वर्षीय युवती द्वारा शादी से इनकार करने पर उसके गले पर चाकू मारकर बेहमीत से मर्डर कर दिया गया।

बीती 30 जुलाई को दिल्ली के केशव पुरम इलाके में गोलियों की आवाज से सनसनी मच गई। एक युवक ने अपनी गलफेंड की गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद युवक फरार हो गया। पुलिस ने खून से लथपथ शव बरामद किया। 17 जुलाई को कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले के बांटवाल इलाके में एक युवती की धारदार हथियार से बेरहमी से हत्या कर दी गई। मुक्त युवती की एक पहचान काव्ययाणवाव के पास कोराई की गद्दे वाली 21

हल की लावण्या के तौर पर हुई है, लावण्या
और चेतन दूर के रिश्तेदार बनाए जाते हैं और
ऐसा कहना ज़ा रहा है कि चेतन, लावण्या के प्रेम
तरफा प्यार करता था। लावण्या ने उसका प्रेम
प्रस्ताव ठुकरा दिया, जिससे चेतन बेहद नाजुक
हो गया। फिर, कुछ देर बाद चेतन ने अपने प्रेम
से बड़ा चक निकाल जबरदस्त हमला कर दिया
उसपर जानलेवा वार किए। उसकी मौत हो गई।
3 जुलाई हरियाणा के गुरुग्राम जिले में एक प्रेमी
ने अपनी प्रेमिका की जिंदा जलाकर हत्या कर
दी। उसका कसूर सिर्फ इतना था कि उसे अपने
प्रेमी के शादीशुदा होने का सच पता चल गया
था। जून माह में मध्य प्रदेश के उज्जैन में एक
सन्तकी प्रेमी ने कंथपूर ऑपरेटर युवती की बीबी
रास्ते में रोका और मातृ 13 सेकंड के भीतर उस
पर चार्क से 15 बार वार किए। हमले का
सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया था 6 जून
उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बीते दिनांक
एक बीटेक छात्रा की हत्या कर दी गई थी। इस
मामले में पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर
पूछताछ की थी। इसके बाद छात्रा का शव जंगल
से बरामद किया गया।
12 जून शिवपुरी जिले से जुड़े एक
सनसनीखेज घटनाक्रम में पुलिस द्वारा प्रेमी
युगल को गुजरात से बरामद कर वापस लाते
समय एक होटल में युवती के सिरफिरे आशिक
ने पुलिस अभिषार में ही प्रेमिका की हत्या कर
दी। हत्या करने के बाद उसने सुसाइड की
भी कोशिश की।

12 मई को यूपी के कानपुर में सिरफिरे आखिरी का आतंक देखने को मिला। आरोपी ने पहली प्रेमिका का गला काट कर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद खुद फांसी लगा ली। जनवरी 2024 में झांसी में एक बेहद खोफनाक ब्लू बैंक मर्डर केस सामने आया। यहाँ पहले से शादीशुदा एक शख्स ने अपनी लिव-इन पार्टनर की हत्या कर दी। उसने सबूत मिटाने के लिए प्रेमिका के शव के टुकड़े किए और उन्हें बाँध दिनों तक घर के अंदर ही जलाता रहा। बची हुई हड्डियों में राख को एक नली बक्स में भरकर नदी में बहाने की कोशिश के दौरान पुलिस ने उन्हें दबाकर लिया। जून 2025 में दिल्ली की जवाहरपुरी इलाके की रहने वाली 18 वर्षीय महेश जैन की उसके दोस्त हसप्रोत ने संजय वसु के सुनसान इलाके में ले जाकर फाँक से गोदक हत्या कर दी। आरोपी लड़की के चौक और निर्जिवन पर अलंघिक निर्यंत्रण रखता था। आपको बता दें कि अक्सर अपराधी महिलाओं को अपनी संपत्ति या वस्तु समझने की भूल कर बैठते हैं। एक महिला अपनी सहमति नहीं देते या रिश्ता खतम करवा करना चाहती हैं, तो अपराधी इसे अपने अहकार पर चोट मान लेते हैं और बदले की भावना से हिंसा का रास्ता चुनते हैं। यही है कि सिरफिरे मानसिक विकृति। हिंसक सनक ऐसी घटनाओं को अंजाम देने वाले लोग गंभीर मानसिक असुखा और सनक से ग्रस्त होते हैं। वे चार और जबरदस्ती के बीच का अंतर नहीं समझते। उनके लिए जिसे वे प्यार करते हैं

हक असल में नियंत्रण और मालिकाना हक जानते हैं। की सन्क होती है। सामाजिक और पारिवारिक परवर्श में कमी समाज और परिवारों में अवसर लड़कों को भावनाओं को सही तरीके से समझाना, हार या रिजेशन को स्वीकार करना और महिलाओं के फैसलों का समान करना नही सिखाया जाता। भावनात्मक बुद्धिमान की कमी युवाओं को बातचीत के बजाय हिंसा की ओर धकेलती है। कड़े कानूनों के बावजूद जागरूकता और सुरक्षा का अभाव हालांकि ऐसे मामलों में पुलिस तुरंत कानून कार्रवाई करती है, लेकिन सुरक्षात्मक उपायों, मानसिक स्वास्थ्य सहायता और सामाजिक जागरूकता को लेकर के कारण महिलाएँ अक्सर अपनी सुरक्षा को कम के चिंतित रहती हैं। सरकार को बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ को स्लोकन को सार्थक करने के लिए ऐसी वारदातों पर गंभीर अध्ययन शोध कर कानूनी सख्ती करनी चाहिए ताकि ऐसी अपराधिक मानसिकता से प्रेरित शोहदे किसी वारदात को अंजाम देने से पहले सोच बार सोचे। वही स्कूली शिक्षा में इस तरह के कथित प्यार आकर्षण और उसके परिणाम के प्रति जागरूक करने वाले पाठ्यक्रम जन्म ले लड़का लड़की लैंगिक समानता व लड़की या प्रेमिका पर अधिकार और नियंत्रण की सीमाओं और इस तरह की मालिकाना मानसिकता को पनपने से रोकने वाला व्यवहारिक नजरिया समझाना चाहिए। पिछे कानून से इन वारदातों को पूरी तरह से नहीं रोका जा सकता है इस के लिए जागरूकता अभियान जरूरी है।

तरईया नदी का पुल क्षतिग्रस्त, प्रशासन ने आवागमन पर लगाई रोक

सुरक्षा के चलते पैदल यात्रियों समेत सभी वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित, दोपहिया और एम्बुलेंस के लिए 24 किमी का वैकल्पिक मार्ग तय



मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कोटाडोल- कमर्जी मुख्य मार्ग पर कोटाडोल से करीब 300 मीटर की दूरी पर स्थित तरईया नदी का पुल वर्षा के दौरान 30 अगस्त को क्षतिग्रस्त हो गया पुल की स्थिति को देखते हुए दुर्घटना की आशंका बनी हुई है इसे गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर पुल से पैदल यात्रियों सहित सभी प्रकार के वाहनों के आवागमन पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी है यह

प्रतिबंध 30 अगस्त से 7 सितंबर 2026 तक प्रभावी रहेगा। परिस्थितियों में पहले बदलाव होने पर आदेश में संशोधन किया जा सकेगा। **दोपहिया और एम्बुलेंस के लिए वैकल्पिक मार्ग:** प्रशासन की ओर से जारी आदेश के अनुसार जनकपुर की तरफ से आने वाले पैदल यात्रियों और दोपहिया वाहन चालकों को ग्राम बरौता से ग्राम नेरूवा, ग्राम रजरवल होते हुए खिरकी वन

विभाग बैरियर तक जाने वाले वैकल्पिक मार्ग का इस्तेमाल करना होगा यह वैकल्पिक रास्ता कुछ हिस्सों में कच्चा है, इसलिए लोगों को सावधानीपूर्वक आवागमन करने की सलाह दी गई है वहीं कमर्जी की ओर से आने वाले पैदल यात्रियों और दोपहिया वाहन चालकों के लिए खिरकी वन विभाग बैरियर से विपरीत दिशा में बरौता मुख्य मार्ग तक पहुंचने का रास्ता निर्धारित किया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट

किया है कि यह वैकल्पिक मार्ग केवल पैदल यात्रियों, दोपहिया वाहनों और एम्बुलेंस के आवागमन के लिए निर्धारित है अन्य वाहनों को इस मार्ग से आवागमन की अनुमति नहीं होगी।

17 किलोमीटर की जगह तय करना होगा 24 किमी सफर: पुल पर आवागमन बंद होने के कारण दोपहिया वाहन चालकों को अब कोटाडोल से कमर्जी पहुंचने के लिए अतिरिक्त दूरी तय करनी होगी। सामान्य परिस्थितियों में दोनों स्थानों के बीच दूरी करीब 17 किलोमीटर है, लेकिन वैकल्पिक मार्ग के इस्तेमाल से यह दूरी बढ़कर लगभग 24 किलोमीटर हो जाएगी बारिश के मौसम में कच्चे हिस्सों से होकर गुजरने वाले यात्रियों को विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता होगी।

भारी वाहनों के लिए मरम्मत के बाद खुलेगा पुल: प्रशासन ने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY) के माध्यम से पुल की मरम्मत का कार्य कराया जा रहा है। मरम्मत



के बाद पैदल यात्रियों, दोपहिया वाहनों और हल्के चार पहिया वाहनों के लिए पुल को 5 सितंबर 2026, शनिवार तक खोलने का लक्ष्य रखा गया है। हालांकि वर्तमान में तरईया नदी में जलस्तर अधिक होने के कारण भारी वाहनों की आवाजाही शुरू करने में समय लगेगा बस, ट्रक और अन्य भारी चारपहिया वाहनों के लिए आवश्यक मरम्मत कार्य पूरा कर 1 अक्टूबर 2026 से पहले पुल को पूरी तरह खोलने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

आदेश का उल्लंघन करने पर कार्रवाई की चेतावनी: प्रशासन ने लोगों से प्रतिबंधित

पुल पर आवागमन न करने की अपील की है। आदेश का उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के तहत दंडात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। इसके साथ ही मोटर यान अधिनियम, 1988 की संबंधित धाराओं के तहत भी कार्रवाई की जा सकती है प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पुल की सुरक्षा स्थिति सामान्य होने और मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद ही सभी प्रकार के वाहनों के लिए आवागमन बहाल किया जाएगा तब तक लोगों से निर्धारित वैकल्पिक मार्ग का ही उपयोग करने की अपील की गई है।

जिले में अब तक 1011.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज, कोटाडोल में सबसे अधिक बारिश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। (एमसीबी) जिले में इस वर्ष मानसून के दौरान अब तक अच्छी बारिश दर्ज की गई है। जिले में 1 जून से 31 अगस्त 2026 तक 1011.2 मिमी औसत वर्षा रिकॉर्ड की गई है। लगातार हुई बारिश से जिले के विभिन्न क्षेत्रों में वर्षा का आंकड़ा एक हजार मिलीमीटर के आसपास या उससे अधिक पहुंच गया है कार्यालय कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिले में 1 जून से अब तक सबसे अधिक वर्षा कोटाडोल तहसील में 1411.4 मिमी दर्ज की गई है। वहीं सबसे कम वर्षा खड़गवां तहसील में 720.4 मिमी रिकॉर्ड की गई है तहसीलवार वर्षा के आंकड़ों में काफी अंतर देखने को मिला है। आंकड़ों के अनुसार मनेन्द्रगढ़ तहसील में 1013.9 मिमी, चिरमिरी में 947.9 मिमी,

केल्हारी में 807.6 मिमी, भरतपुर में 1166.0 मिमी तथा कोटाडोल में 1411.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई है जिले के औसत वर्षा आंकड़े से स्पष्ट है कि इस मानसून सीजन में अलग-अलग तहसीलों में बारिश की स्थिति अलग रही है कोटाडोल में जिले की अन्य तहसीलों की तुलना में सबसे अधिक वर्षा दर्ज हुई है जबकि खड़गवां में बारिश का आंकड़ा सबसे कम रहा लगातार हो रही बारिश के चलते जिले के नदी-नालों और जलस्रोतों में जलस्तर बढ़ने की स्थिति भी बनी हुई है प्रशासन द्वारा वर्षा और जलस्तर की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है विशेष रूप से अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में लोगों को नदी-नालों के आसपास सावधानी बरतने तथा जलभराव वाले स्थानों पर अनावश्यक आवागमन से बचने की सलाह दी जा रही है।

मत्स्य विभाग की योजना और तकनीकी मार्गदर्शन से शुरू किया मछली पालन, अब आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रही कामिनी

एक हेक्टेयर के तालाब ने बदली कामिनी की जिंदगी, वैज्ञानिक मत्स्य पालन से सालाना 2 लाख रुपये का मुनाफा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मेहनत के साथ यदि सही तकनीक और विभागीय मार्गदर्शन मिल जाए तो सीमित संसाधनों से भी आय का बेहतर साधन तैयार किया जा सकता है। मनेन्द्रगढ़ विकासखंड के खोंगापानी की मत्स्य कृषक कामिनी रोहितिया ने इसे अपनी मेहनत और लगन से साबित किया है। वर्ष 2022 में मत्स्य विभाग के सहयोग से लगभग एक हेक्टेयर क्षेत्रफल के तालाब में वैज्ञानिक पद्धति से मत्स्य पालन शुरू करने वाली कामिनी आज इससे करीब 2 लाख रुपये का वार्षिक लाभ अर्जित कर रही हैं।

कृषि के साथ शुरू किया मत्स्य पालन: मत्स्य पालन शुरू करने से पहले कामिनी मुख्य रूप से कृषि कार्य पर निर्भर थीं। खेती में मेहनत



अधिक होने के बावजूद आमदनी सीमित थी। इसी दौरान उन्होंने मत्स्य पालन को अतिरिक्त आय के साधन के रूप में अपनाने का निर्णय लिया वर्ष 2022 में मत्स्य विभाग की नवीन तालाब निर्माण योजना के अंतर्गत उन्हें लगभग एक हेक्टेयर क्षेत्रफल के तालाब का लाभ मिला तालाब उपलब्ध होने के बाद कामिनी ने इसका उपयोग वैज्ञानिक तरीके से

वैज्ञानिक प्रबंधन से बढ़ा उत्पादन: कामिनी मत्स्य पालन में नियमित रूप से तालाब की निगरानी करती हैं मछलियों के लिए अनुकूल वातावरण बनाए रखने के साथ पानी की गुणवत्ता पर भी ध्यान दिया जाता है। विभागीय प्रशिक्षण में मिली जानकारी के आधार पर वे तालाब में मछलियों की वृद्धि, स्वास्थ्य और देखभाल की नियमित निगरानी करती हैं मछलियों में संभावित बीमारियों की पहचान और उनकी रोकथाम के संबंध में भी कामिनी को प्रशिक्षण मिला है। वैज्ञानिक पद्धति से तालाब का प्रबंधन करने का परिणाम उत्पादन और आय में देखने को मिला वर्तमान में लगभग एक हेक्टेयर तालाब से उन्हें मत्स्य पालन के माध्यम से करीब 2 लाख रुपये प्रतिवर्ष का लाभ प्राप्त हो रहा है।

'युवा उड़ान 2026' से विकास की नीतियों में युवाओं की होगी भागीदारी

31 अगस्त से प्रदेशभर में कार्यक्रमों का आगाज, 16 से 24 वर्ष के करीब एक हजार युवा होंगे शामिल

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर प्रदेश के युवाओं को 'विकसित भारत2047' और 'विकसित छत्तीसगढ़' के संकल्प से जोड़ने के उद्देश्य से 'युवा उड़ान 2026' कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले सहित प्रदेश के सभी जिलों में युवाओं की भागीदारी से कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। राज्य स्तरीय शुभारंभ 31 अगस्त को

बीजापुर जिले से किया जाएगा छत्तीसगढ़ शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने कार्यक्रम के आयोजन को लेकर जिला प्रशासन को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं इसके बाद छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग और जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में जिलों में कार्यक्रम आयोजित होंगे।

विभिन्न क्षेत्रों के युवा होंगे शामिल: 'युवा उड़ान 2026' में 16 से 24 वर्ष आयु वर्ग के करीब 1,000 युवाओंकी सहभागिता का लक्ष्य रखा गया

है कार्यक्रम में कक्षा 9वीं से 11वीं के मेधावी विद्यार्थियों के साथ महाविद्यालयीन छात्र-छात्राएं, प्रावीण्य छात्र, कला-साहित्य एवं संस्कृति से जुड़े युवा और खेल अकादमियों के प्रशिक्षणार्थी शामिल होंगे। इसके अलावा ऋतु और श्रुतऋतु जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं, इंजीनियरिंग, मेडिकल, कृषि, पॉलिटेक्निक और ITI के विद्यार्थियों को भी मंच दिया जाएगा। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, सामाजिक

कार्यकर्ता, कौशल विकास प्रशिक्षणार्थी, छात्रावासों में रहने वाले विद्यार्थी, दिव्यांगजन और आत्मसमर्पित पूर्व नक्सली युवाओं की सहभागिता भी सुनिश्चित की जाएगी।

योजनाओं और विकास पर होगा संवाद:कार्यक्रम कुल अवधि 2 घंटे 10 मिनटनिर्धारित की गई है। इसमें करीब 1 घंटे 30 मिनट विषय विशेषों के लिए तथा 40 मिनट युवाओं के साथ संवाद, प्रश्नोत्तर और सुझाव के लिए निर्धारित रहेंगे।

शिवपुरी में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल जारी, दूसरे निकायों से कर्मचारी बुलाने पर बढ़ा आक्रोश

11 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन, 8 मांगों पर बनी सहमति; अन्य नगर परिषदों से 10-10 कर्मचारी और कचरा वाहन भेजने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। 11 सूत्रीय मांगों को लेकर शिवपुरी में सफाई कर्मचारियों की चल रही हड़ताल सोमवार को भी जारी रही। आंदोलनरत कर्मचारियों ने हाथों में तिरंगा और झंडू लेकर शहर में रैली निकाली और अपनी मांगों के समर्थन में प्रदर्शन किया। नगर पालिका प्रशासन द्वारा 11 में से 8 मांगों पर सहमति जताए जाने के बावजूद शेष मांगों को लेकर सहमति नहीं बन सकी है इसके चलते सफाई कर्मचारियों ने आंदोलन जारी रखने का निर्णय लिया है हड़ताल के कारण शहर की सफाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है। इसी बीच जिला प्रशासन ने सफाई व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए जिले की अन्य नगर परिषदों से सफाई कर्मचारी और कचरा वाहन शिवपुरी भेजने के निर्देश दिए हैं। इस आदेश के बाद हड़ताल कर रहे कर्मचारियों



में नाराजगी और बढ़ गई है। **तिरंगा और झंडू लेकर निकाली रैली:** सोमवार को सफाई कर्मचारियों ने हाथों में तिरंगा और झंडू लेकर शहर में रैली निकाली कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की। उनका कहना है कि जब तक सभी 11 मांगों पर

समाधान नहीं होता, तब तक हड़ताल समाप्त नहीं की जाएगी नगर पालिका प्रशासन की ओर से आठ मांगों पर सहमति बनने की बात कही गई है, लेकिन चारों ओर से जारी वार्ता के बावजूद होने से बचाने के लिए जिला शहरी विकास अधिकरण ने जिले की सभी नगर परिषदों के मुख्य

होने के बाद ही आंदोलन समाप्त करने पर विचार किया जाएगा। **प्रत्येक नगर परिषद से 10 कर्मचारी और एक कचरा वाहन बुलाने के निर्देश:** शहर की सफाई व्यवस्था को प्रभावित होने से बचाने के लिए जिला शहरी विकास अधिकरण ने जिले की सभी नगर परिषदों के मुख्य

नगरपालिका अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। आदेश के तहत प्रत्येक नगर परिषद से एक कचरा वाहन और 10 सफाई कर्मचारियों को तत्काल शिवपुरी भेजने के लिए कहा गया है सफाई कर्मचारियों के साथ झड़ू, तसला, फावड़ा और अन्य आवश्यक सफाई उपकरण उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए हैं संबंधित नगर परिषदों को कर्मचारियों और वाहनों को आवश्यक सामग्री के साथ शिवपुरी नगरपालिका परिषद में भेजकर इसकी जानकारी देने को कहा गया है।

दबाव बनाने का कर्मचारी नेताओं ने लगाया आरोप: कर्मचारी नेता मनोज लाहरी ने आरोप लगाया कि अन्य नगर परिषदों के कर्मचारियों को शिवपुरी भेजने के आदेश के साथ आदेश का पालन नहीं करने पर कार्रवाई और हटाने की चेतावनी दी जा रही है उन्होंने कहा कि

हड़ताल के दौरान कर्मचारियों पर इस तरह का दबाव बनाना उचित नहीं है उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कर्मचारियों पर दबाव बढ़ाया गया तो आंदोलन को केवल शिवपुरी शहर तक सीमित नहीं रखा जाएगा बल्कि इसे पूरे जिले में फैलाया जाएगा। कर्मचारी नेता ने प्रशासन से बातचीत के जरिए मांगों का समाधान करने की अपील की है। **प्रदेश स्तर तक आंदोलन ले जाने की चेतावनी:** सफाई कर्मचारियों ने कहा कि वे अपनी मांगों को लेकर लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं। यदि जल्द समाधान नहीं निकला और दबाव बनाने की कार्रवाई जारी रही तो आंदोलन को प्रदेश स्तर तक ले जाया जाएगा। फिलहाल हड़ताल जारी रहने से शहर की सफाई व्यवस्था प्रभावित है और प्रशासन आदेश का पालन नहीं करने पर सफाई कार्य संचालित करने का प्रयास कर रहा है।

पीएम सूर्य घर योजना से एमसीबी में 7 हजार घरों को रोशन करने का लक्ष्य



मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। प्रधानमंत्री सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना को जिले में प्रभावी रूप से लागू करने और अधिक से अधिक घरेलू उपभोक्ताओं को रूफटॉप सोलर से जोड़ने के उद्देश्य से सोमवार को जिला मुख्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर सु संतन देवी जांगड़े की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई बैठक में योजना के प्रचार-प्रसार, आवेदन प्रक्रिया, सब्सिडी, अधिकृत वेंडरों की उपलब्धता तथा बैंक स्तर पर लंबित प्रकरणों की समीक्षा की गई कलेक्टर ने कहा कि योजना का उद्देश्य घरेलू उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा से जोड़ना, स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देना और बिजली पर होने वाले खर्च को कम करना है उन्होंने अधिकारियों एवं योजना से जुड़े वेंडरों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए योजना की जानकारी गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि हितग्राहियों को केवल योजना की जानकारी देना पर्याप्त नहीं है। उन्हें आवेदन से लेकर सोलर प्लांट की स्थापना, निरीक्षण, नेट मीटर और सब्सिडी प्राप्त होने तक की पूरी प्रक्रिया सरल भाषा में समझाई जाए, ताकि उन्हें किसी तरह की परेशानी न हो।

अधिकृत वेंडरों की सूची होगी तैयार: कलेक्टर ने विद्युत विभाग को जिले में योजना के तहत पंजीकृत एवं अधिकृत वेंडरों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह सूची आम लोगों तक पहुंचाई जाए जिससे हितग्राही अधिकृत वेंडर का चयन कर सकें कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि योजना के नाम पर धोखाधड़ी, गलत जानकारी अथवा हितग्राहियों से अनियमित राशि वसूली की शिकायत मिलने पर संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। योजना में पारदर्शिता और हितग्राहियों के हितों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए 7 हजार हितग्राहियों को लाभ दिलाने का लक्ष्य बैठक में बताया गया कि जिले को 7 हजार घरेलू उपभोक्ताओं को प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना का लाभ दिलाने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है कलेक्टर ने एलडीएम को निर्देश दिए कि पात्र हितग्राहियों के प्रकरण बैंक स्तर पर बिना उचित कारण लंबित न रहें। संबंधित विभाग और बैंक आपसी समन्वय से प्रकरणों का समय पर निराकरण करें।

सोलर प्लांट पर सब्सिडी का प्रावधान: बैठक में योजना के तहत मिलने वाली सहायता की जानकारी भी दी गई। उपलब्ध जानकारी के अनुसार 1 किलोवाट के सोलर प्लांट पर केंद्र की ओर से 30 हजार और राज्य की ओर से 15 हजार, कुल 45 हजार रुपये की सहायता का प्रावधान बताया गया 2 किलोवाट पर कुल 90 हजार तथा 3 किलोवाट पर कुल 1 लाख 8 हजार रुपये की सहायता का प्रावधान बताया गया केंद्रीय योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार 3 किलोवाट तक केंद्रीय सहायता अधिकतम 78 हजार रुपये तक है।

राष्ट्रीय पोर्टल से कर सकते हैं आवेदन: योजना के लिए उपभोक्ता राष्ट्रीय पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। छत्तीसगढ़ के उपभोक्ताओं को आवेदन के दौरान संबंधित डिस्कॉम के रूप में CSPDCL का चयन करना होगा आवेदन के लिए बिजली उपभोक्ता क्रमांक, मोबाइल नंबर और ईमेल के माध्यम से हड़क्र सत्यापन किया जाता है तकनीकी स्वीकृति के बाद सूचीबद्ध अधिकृत वेंडर से सोलर सिस्टम स्थापित कराया जाता है स्थापना के बाद डिस्कॉम द्वारा निरीक्षण एवं नेट मीटर की प्रक्रिया पूरी की जाती है आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने पर पात्र हितग्राही को केंद्रीय सहायता नियमानुसार बैंक खाते में जारी की जाती है बैठक में जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम, एमडीएम लिंगराज सिदार, एलडीएम विजन नायक, विद्युत विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा योजना से जुड़े अधिकृत वेंडर उपस्थित रहे।

शिवपुरी में युवक की संदिग्ध मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

पत्नी के कथित प्रेमी पर मारपीट और जहर देने का आरोप, अस्पताल में इलाज के दौरान युवक ने दम तोड़ा



मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है युवक की पत्नी के बाद परिजनों ने उसकी पत्नी के कथित प्रेमी पर गंभीर आरोप लगाए हैं

परिजनों का कहना है कि युवक के साथ मारपीट की गई और उसे कथित रूप से जहरीला पदार्थ दिया गया, जिसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई अस्पताल में उपचार के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया परिजनों के आरोपों के बाद मामले को लेकर पुलिस जांच में जुट गई है। पुलिस ने युवक की मौत के कारणों का पता लगाने के लिए आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। मौत संदिग्ध परिस्थितियों में होने के कारण पोस्टमॉर्टम और अन्य जांच के आधार पर आगे की स्थिति स्पष्ट होगी बताया जा रहा है कि युवक की तबीयत बिगड़ने के बाद परिजन उसे उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे थे हालत गंभीर होने पर उसका इलाज किया जा रहा था,

लेकिन चिकित्सकों के प्रयासों के बावजूद उसकी जान नहीं बचाई जा सकी युवक की मौत के बाद परिजनों ने पत्नी के कथित प्रेमी पर आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है उनका दावा है कि विवाद के दौरान युवक के साथ मारपीट की गई और बाद में उसे जहर दिया गया हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है पुलिस का कहना है कि मामले में सभी पहलुओं की जांच की जा रही है पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर युवक की मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाया जाएगा पुलिस संबंधित लोगों से पूछताछ करने के साथ घटनाक्रम की भी जानकारी जुटा रही है।

पुलिस मुख्यालय परिवार ने छह सेवानिवृत्त कर्मचारियों को दी भावभीनी विदाई

डीजीपी कैलाश मकवाना ने स्मृति चिह्न और पौधे भेंट कर किया सम्मानित

भोपाल। पुलिस मुख्यालय की विभिन्न शाखाओं से अगस्त माह में सेवानिवृत्त हुए छह कर्मचारियों के सम्मान में सोमवार को भावभीनी विदाई समारोह आयोजित किया गया। नवीन पुलिस मुख्यालय भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित करते हुए उनके स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की पुलिस महानिदेशक ने सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पौधे एवं स्मृति चिह्न भेंट किए। इस अवसर पर उनके विभिन्न स्वत्व (क्लेम) भुगतान से संबंधित आदेश भी प्रदान किए गए अधिकारियों ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सेवाकाल के दौरान

किए गए कार्यों और योगदान की सरहना की समारोह में विशेष प्रशिक्षण महानिदेशक पंकेज वास्तव, अनिल कुमार, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सोलोमन यश कुमार मिंज सहित पुलिस मुख्यालय के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिजन भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

छह कर्मचारियों का हुआ सम्मान: पुलिस मुख्यालय की ओर से अगस्त माह में सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों में उप निरीक्षक (अ.अ.वि.) शाखा विनोद कुमार सिंह, उप निरीक्षक महिला सुरक्षा शाखा अशोक सिंह सेगर, उप निरीक्षक (एम) अ.अ.वि. शाखा मती कांता ठाकुर, उप निरीक्षक (एम) विशेष शाखा मधु झारिया, सहायक उप निरीक्षक (एमटी) विशेष शाखा युवराज बोरेसे तथा आरक्षक (एम) योजना शाखा मोहम्मद शकील शामिल रहे।

मीडिया ऑडिटर, मंदसौर (निप्र) ।
मंदसौर-सोतामऊ रोड पर अनरिया निजामुद्दीन के पास सोमली नदी की पुलिया के पास सोमवार सुबह सरसों से भरा एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसे में ट्रक ड्राइवर घायल हो गया, जिसके हाथ में फ्रैक्चर बंधीया जा रहा है। गनीमत यह कि ट्रक नदी में गिरने से कुछ फीट पहले ही पलट गया। पुलिस के अनुसार, ट्रक क्रमांक RJ 09 GF 2390 सरसों से भरा था और चोमेला सरसों से नीमच की ओर जा रहा था। अनरिया निजामुद्दीन के पास सोमली नदी की पुलिया के पास अचानक ट्रक अनियंत्रित हो गया। इसके बाद वह सड़क किनारे पलट गया, जिससे उसमें भरे सरसों के कट्टे सड़क पर बिखर गए। यह हादसा सोमली नदी की पुलिया के बिल्कुल नजदीक हुआ। बताया गया है कि ट्रक नदी से महज कुछ फीट की दूरी पर पलटा। ट्रक कुछ फीट और आगे चला जाता, तो वह नदी में गिर सकता था।
ट्रक ड्राइवर के हाथ में फ्रैक्चर:
हादसे में ट्रक ड्राइवर हुकुमचंद पिता खेमराज (30), निवासी कोटा घायल हो गए। उनके हाथ में फ्रैक्चर हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही नई आबादी थाना पुलिस को डायल-112 टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घायल ड्राइवर को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां अकाल इलाज हुआ। हादसे में अन्य किसी के घायल होने या जहनानि की कोई सूचना नहीं है। नई आबादी थाना प्रभारी कुलदेव सिंह राठौर ने बताया कि ट्रक पलटने के बाद मौके पर सरसों के कट्टे बिखर गए।



मुखर्बिर् की सूचना पर कार्गवई: थाना पभारी आदित्य सेन ने बताया की पुलिस अधीक्षक साई कृष्ण एस के निदेश और एस्डीओपी मोहित कुमार के मार्गदर्शन में अवैध नशे के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। रिविंवार शाम मुखर्बिर् से सूचना मिली थी कि हव्वास में हनुमान मंदिर के पीछे राजा साहू नाम का युवक स्मैक बेच रहा है। सूचना के बाद उपनिरीक्षक अमित भादुराज के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी की। टीम ने बुलेट से पहुंचे सस्टिफ राज साहू को रोकरक तलाशी ली। उसके पास लास्टिक की पन्नी में 6.47 ग्राम स्मैक मिली। पुलिस ने 1500 रुपए नकद और रॉयल एनफील्ड बुलेट क्रमांक MP 38 MP 8720 भी जप्त की।

युलिस के अनुसार, जब्त स्मैक की कीमत करीब 60 हजार रुपए है, जबकि बाइक, नकदी और अन्य मादक पदार्थ समेत कुल जब्त सामान की कीमत करीब 2 लाख 41 हजार 500 रुपए बताई गई है। आरोपी पूर्व में स्टेशन रोड थाना क्षेत्र में भी स्मैक बेचने के आरोप में गिरफ्तार हो चुका है। कार्रवाई में उपनिरीक्षक अमित भारद्वाज के साथ प्रधान आरोक्षक उपेंद्र दुबे, शिवम वर्मा, मोहसिन ब्राउन, गुरुप्रसाद पवार, अरुण जुदेद, अमरदास कलम, पूनम चौधरी सहित आरक्षक प्रतीक साहू, प्रदीप सोनी, राधेश्याम और हेमंत पटेल की भूमिका रही।



जांच से ढाबा संचालकों में हड़कंप मच गया। सबसे बड़ी बात यह रही कि संबंधित थाना क्षेत्र को सूचना बगैर एएसपी राकेश पट्टे ने टीम के साथ छपेमार कार्रवाई की। एएसपी राकेश पट्टे व पुलिस टीम ने थाना औद्योगिक क्षेत्र अंतर्गत सैलाना रोड,



कम बारिश का असर तथा डैम के जलस्तर पर भी दिखाई दे रहा है। तथा डैम का अधिकतम जलस्तर 1166 फीट है। जबकि वर्तमान में जलस्तर 1153.90 फीट है। यानी डैम अपने अधिकतम जलस्तर से 12.1 फीट नीचे है। 31 अगस्त तक तथा डैम का गवर्निंग लेवल 1162 फीट निर्धारित है। वर्तमान जलस्तर 1153.90 फीट होने के कारण डैम गवर्निंग लेवल से भी 8.1 फीट नीचे है। अब तक तथा डैम अपने गवर्निंग लेवल तक नहीं पहुँच पाया है।

मौसमविद् वीएस यदव के अनुसार, अगले दो दिनों में जिले में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। वहीं, 3 सितंबर को भारी बारिश की संभावना जलाई गई है। बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र और पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से इस सप्ताह बारिश की स्थिति बनी रहने की संभावना है। सोमवार पंचमई से जिले में बादल छाए हुए हैं। 1 जून से 31 अगस्त तक जिले में सबसे ज्यादा बारिश पुचमई में करीब 40 इंच दर्ज होगी।

कम बारिश के चलते जिले में जहां सामान्य जनजीवन पर असर पड़ रहा है, वहीं तवा डैम के जलस्तर पर भी इसका प्रभाव दिखाई दे रहा है। अब आने वाले दिनों में होने वाली बारिश पर डैम के जलस्तर और जिले की मौसमी स्थिति काफी हद तक निर्भर करेगी।

मीडिया आँधीर, रायसेन (निप्र)। रायसेन के शासकीय आदर्श गुरुसंस्थान में छात्रों को पढ़ाई के साथ स्वास्थ्य और फिटनेस की सुविधा भी मिलेगी। स्कूल परिसर में ओपन जिम तैयार किया जा रहा है। इसमें 12 अलग-अलग एक्सरसाइज मशीनें लगाई जा रही हैं। छात्रों स्कूल समय से पहले या बाद में इन मशीनों का इस्तेमाल कर सकेंगी। स्कूल के प्राचार्य राजेश बाथम ने बताया कि सांची विद्यालय डॉ. प्रभुराम चौधरी के प्रयासों से ओपन जिम की मशीनें निसुलक उपलब्ध करवाई गई हैं। फिलहाल इन्हें स्कूल परिसर में लगाने का काम चल रहा है।



राज्यमंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल और सांची विधायक डॉ. प्रभुराम चौधरी स्कूल में मध्याह्न भोजन करने पहुंचे थे। छात्रों की संख्या और कक्षा की कमी



बारिश के बाद बढ़े स
के मामले: बारिश के बाद

बढ़ने के बीच सर्पदंश के मामले भी सामने आ रहे हैं। अब तक दो दर्जन से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। सर्पदंश के मरीजों के लिए खंडवा जिला अस्पताल में अलग वार्ड बनाया गया है। यहाँ अभी रोजाना 3 से 4 मामले आ रहे हैं।

सर्पदंश के मामलों के इंचार्ज डॉ. योगेश शर्मा ने बताया कि मरीजों को इलाज के साथ काउंसलिंग भी दी जाती है। उन्होंने बताया कि कई लोग सांप के फन मारने के बाद घबरा जाते हैं। डर के कारण उनकी हालत बिगड़ जाती है।



अस्पताल में इलाज के दौरान मौत:
हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घंसौर

पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने दोनों का उपचार शुरू किया। भूरी बाई की हालत गंभीर थी और उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। वहीं शिवकुमार परस्ते का अस्पताल में इलाज जारी है।

फरार वाहन चालक की तलाश: घटना की सूचना मिलने पर घंसौर पुलिस अस्पताल पहुंची और हादसे की जानकारी जुटाई। पुलिस ने मृतका के शव का पोस्टमार्टम कराया।

पुलिस परिजनों और प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ कर रही है। अज्ञात वाहन और उसका चालक की पहचान के लिए आसपास के क्षेत्र में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी है।

मीडिया आंदोलन, बुढ़ानपुर (खिग)। बुढ़ानपुर में रविबार शुलम एक मौत हो गई। यह घटना अजमेर-बुढ़ानपुर रोड पर धुलकोट पुलिस चौकी पर कमल खेड़ा फाल्ग्या में घड़े, जबर-एक बबूल का पेड़ अचानक बाइक चक्करा गया। धुलकोट चौकी प्रभारी कमल मोरे ने बताया कि ग्राम भावसा निवाजा बबूल की रूपाली और दो अन्य बच्चों के साथ अंबा परतकूंगिया जा रहे थे। कमल खेड़े धुलकोट अचानक बबूल का पेड़ गिर गया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल हाइसे में 6 वर्षीय रूपाली (पिता पप्पू) की मौके पर ही मौत हो गई।

को देखत हुए दोनों ने अतिरिक्त कक्षा के लिए राशि देने की घोषणा की थी। राजमन्त्री ने कहा कि और विधायक ने भी दो अतिरिक्त कक्षाओं के निर्माण के लिए राशि देने की बात कही थी। प्राचार्य राजेश बाथम के प्रयासों से जनपतिनिधियों और मंत्रियों के सामने स्कूल की जरूरतें रखी गई। इसके बाद स्कूल को अतिरिक्त कक्षाओं की सौगत मिली है। स्कूल भवन की मरम्मत और परिसर को बेहतर बनाने का काम भी चल रहा है।

प्राचार्य ने शिक्षकों के साथ किया निरीक्षण: सोमवार को प्राचार्य राजेश बाथम ने शिक्षक कमलेश महादुर, पवन सोनी सहित अन्य शिक्षकों के साथ स्कूल परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान कक्षाओं में चल रहे मरम्मत कार्यों का जायजा लिया गया। बारिश के दौरान परिसर में पानी जमा होने की समस्या को भी दूर किया गया।



मीडिया ऑडीटर, नरसिंहपुर (निप्र)। नरसिंहपुर जिले में अवैध शाख के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत करेली थाना पुलिस ने सोमवार को आरोवाई की। पुलिस ने 60 लीटर महुआ शाख जब्त करे हुए एक कारोपी को गिरफ्तार किया है। इस दौरान आरोपी का एक साथी मोटरसाइकिल छोड़कर मौके से फरार हो गया। करेली थाना प्रभारी रत्नाकर हिंवावे ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि इमथिया-कोदसा मार्ग पर स्थित पुलिस के पास दो युवक बाइक से अवैध शाख ले जा रहे हैं। इस सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही मोटरसाइकिल सवारों ने भागने का प्रयास किया। भागने के दौरान बाइक पर पीछे बैठा एक युवक मौके से फरार हो गया, जबकि पुलिस ने कोदसा निवासी हरिशंकर उर्फ जोकर को पकड़ लिया।

साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने जीता खिताब,

फाइनल में सेंट्रल दिल्ली किंग्स को 7 विकेट से हराया



नई दिल्ली,एजेसी। : साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने शानदार बल्लेबाजी के दम पर सेंट्रल दिल्ली किंग्स को 7 विकेट से हराकर दिल्ली प्रीमियर लीग (इएचएल) 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। अहम जेटली स्टेडियम में खेले गए रोमांचक फाइनल में साउथ दिल्ली ने 183 रन के लक्ष्य को महज 18.2 ओवर में 186/3 बनाकर हासिल कर लिया।सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने बनाए 182 रन

टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी सेंट्रल दिल्ली किंग्स की टीम ने

निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट पर 182 रन बनाए। समरथ सिंह ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 27 गेंदों में 51 रन की पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में कई शानदार शॉट लगाए। कप्तान जोंटी सिद्धू ने भी तेजी से रन बनाए और सिर्फ 19 गेंदों में 36 रन ठेके। उनकी पारी में तीन छक्के शामिल रहे। युगल सैनी ने 29 गेंदों पर 32 रन बनाए, जबकि मनी ग्रेवाल ने आखिरी ओवरों में सिर्फ 7 गेंदों पर 18 रन की तेज पारी खेलकर टीम का स्कोर 180 के पार पहुंचाया।

दिवांश रावत की शानदार

गेंदबाजी- साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज के गेंदबाजों ने सेंट्रल दिल्ली को बड़े स्कोर तक पहुंचने से रोकने में अहम भूमिका निभाई। दिवांश रावत ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 17 रन देकर 3 विकेट झटके। विजन पंचाल को दो विकेट मिले, जबकि अंकित डाबास, प्राशु विजयरण और अंशुमान हुड्डा ने एक-एक बल्लेबाज को पवेलियन भेजा। गेंदबाजों के इस प्रदर्शन ने साउथ दिल्ली को मुकाबले में मजबूत स्थिति में रखा।

अनमोल शर्मा ने रखी जीत की नींव- 183 रन के लक्ष्य का पीछा करने

उतरी साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज को अनमोल शर्मा ने शानदार शुरुआत दिलाई। उन्होंने 42 गेंदों में 64 रन की पारी खेली, जिसमें छह चौके और तीन छक्के शामिल रहे। अनमोल ने शुरुआत से ही रनरेट को बनाए रखा और लक्ष्य का पीछा करने की मजबूत नींव तैयार की। उनके आउट होने के बाद भी साउथ दिल्ली की बल्लेबाजी की रफ्तार कम नहीं हुई।

अंकित डाबास ने खेली मैच विनिंग पारी-अनमोल शर्मा के बाद अंकित डाबास ने मोर्चा संभाला और शानदार नाबाद अर्धशतक लगाकर टीम को खिताब के करीब पहुंचाया। उन्होंने सिर्फ 33 गेंदों में नाबाद 61 रन बनाए। उनकी पारी में पांच चौके और चार छक्के शामिल रहे। कप्तान तेजस्वी दहिया ने भी 18 गेंदों में 33 रन की तूफानी पारी खेली। उन्होंने तीन चौके और तीन छक्के लगाए। वहीं, एकांश डोभाल ने 3 गेंदों में नाबाद 7 रन बनाकर छक्का लगाते हुए साउथ दिल्ली को यादगार जीत दिलाई।

18.2 ओवर में हासिल किया लक्ष्य- साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने लगातार तेज रन बनाते हुए 18.2 ओवर में 186/3 का स्कोर बना दिया और मुकाबला 7 विकेट से अपने नाम कर लिया। टीम ने पूरे रन चेज के दौरान जरूरी रनरेट पर दबाव नहीं आने दिया। इस शानदार जीत के साथ साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने इएचएल 2026 की ट्रॉफी अपने नाम कर ली। फाइनल में टीम के बल्लेबाजों का प्रदर्शन उसकी खिताबी जीत का सबसे बड़ा कारण रहा।

सुविधाओं पर विवाद के बीच OCA का बड़ा बयान

‘तैयारियां सुचारू रूप से आगे बढ़ रही हैं’



नई दिल्ली,एजेसी। एशियन गेम्स 2026 का आयोजन जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होना है। खेलों के शुरू होने से पहले खिलाड़ियों और अधिकारियों के ठहरने की सुविधाओं को लेकर सवाल उठे हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि करीब 17 हजार खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए पर्याप्त कमरों की व्यवस्था को लेकर आयोजकों के सामने चुनौती है।इन रिपोर्ट्स के सामने आने के बाद ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया (OCA) ने स्थिति स्पष्ट करते हुए इन्हें खारिज किया है। OCA ने कहा कि सभी पंजीकृत खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए उचित आवास की व्यवस्था की जा चुकी है।

हफ्ते ने जारी किया आधिकारिक बयान-OCA और ichi-Nagoya Asian Games Organising Committee (AINAGOC) ने अपने संयुक्त बयान में कहा, ‘एशियन गेम्स के आधिकारिक प्रतिभागियों के लिए आवास की व्यवस्था को लेकर आई गलत मीडिया रिपोर्ट्स के संबंध में OCA और AINAGOC यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि जुलाई में एंटी बाय नेम की समय सीमा समाप्त होने से पहले पंजीकृत किए गए सभी 17,000 से अधिक खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए खेलों के अनुरूप आवास उपलब्ध कराया गया है।’ काउंसिल ने यह भी स्पष्ट किया कि असाधारण परिस्थितियों को छोड़कर अब किसी नए प्रतिभागी का पंजीकरण नहीं किया जाएगा।OCA के मुताबिक, खेलों की तैयारियां तय कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ रही हैं। ‘तैयारियां सुचारू रूप से आगे बढ़ रही हैं’-OCA ने अपने बयान में आगे कहा, ‘असाधारण परिस्थितियों को छोड़कर किसी भी अतिरिक्त पंजीकरण की अनुमति नहीं दी गई है और न ही दी जाएगी। अंतिम तैयारियां सही दिशा में हैं और सुचारू रूप से आगे बढ़ रही हैं। यह एशियन गेम्स की पीढ़ियों में सबसे शानदार प्रतियोगिताओं में से एक होने जा रहा है।’ आयोजकों ने भरोसा जताया कि प्रतिभागियों की संख्या के आधार पर की गई व्यवस्थाओं के चलते आवास से जुड़ी सभी जरूरतों को बिना किसी परेशानी के पूरा किया जा सकेगा। 15 हजार से बढ़कर 17 हजार हुई प्रतिभागियों की संख्या शुरुआत में आइची-नागोया एशियन गेम्स में करीब 15 हजार खिलाड़ियों और अधिकारियों के शामिल होने की उम्मीद थी।

कास्पारोव और टोपालोव फिर आमने-सामने, 1.44 लाख डॉलर के मुकाबले में होगी टक्कर

सेंट लुईस, अमेरिका ,एजेसी। शतरंज की दुनिया के दो दिग्गज और पूर्व विश्व चैंपियन गैरी कास्पारोव और वेसलीन टोपोलोव एक बार फिर आमने-सामने होने जा रहे हैं। दोनों के बीच 1,44,000 डॉलर की इनामी राशि वाला फ्रीस्टाइल मुकाबला सेंट लुईस में 11 से 13 सितंबर तक खेला जाएगा।यह मुकाबला क्लच लीजेंड्स के तहत आयोजित होगा और इसमें तीन दिनों में कुल 12 बाजियां खेली जाएंगी। कास्पारोव और टोपोलोव के बीच यह मुकाबला खास इसलिए भी है क्योंकि दोनों के बीच पुरानी प्रतिद्वंद्विता का इतिहास बेहद दिलचस्प रहा है।

कास्पारोव और टोपलॉव प्रत्येक दिन



चार बाजियां खेलेंगे। रोजाना दो रैपिड और दो ब्लिट्ज मुकाबले होंगे। यह पूरा मैच फ्री स्टाइल जिसे फिशर रैंडम भी कहा जाता है इसमें खेला जाता है, हर दिन के लिए शुरुआती स्थिति अलग होगी। यानी खिलाड़ियों को पारंपरिक शुरुआती पोजिशन और ओपनिंग थ्योरी के बजाय शुरुआत से ही अपनी गणना और रणनीतिक समझ पर निर्भर रहना होगा। कास्पारोव की उम्र 63 वर्ष है, जबकि टोपोलोव 51 वर्ष के हैं। इस मुकाबले में सबसे दिलचस्प पहलू दोनों खिलाड़ियों का इतिहास है। टोपोलोव ने कास्पारोव के करियर की आखिरी पार ऑलआउट हो गई।शैफाली वर्मा की विस्फोटक बल्लेबाजी और दीप्ति शर्मा व नंदनी शर्मा की शानदार गेंदबाजी का अहम योगदान रहा। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 159/9 रन बनाए, जिसके जवाब में थाईलैंड की पूरी टीम 16.1 ओवर में महज 65 रन पर ऑलआउट हो गई।शैफाली वर्मा ने मचाई तबाही

था। कास्पारोव पहले ही टूर्नामेंट जीत चुके थे और अंतिम दौर में काले मोहरों से टोपलॉव के खिलाफ उतरे थे। टोपलॉव ने केवल 30 चालों में जीत दर्ज की थी। इसके कुछ ही समय बाद कास्पारोव ने पेशेवर शतरंज से संन्यास की घोषणा कर दी थी। उन्होंने निर्णायक बहुत दो बाजियां बाकी रहते हासिल कर ली थी। हालांकि आनंद ने अंतिम दो ब्लिट्ज बाजियां जीतकर स्कोर को कुछ करीबी बनाया था। मैच के विजेता को 70,000 डॉलर, जबकि उपविजेता को 50,000 डॉलर मिलेंगे।

इंग्लैंड की शानदार गेंदबाजी , पाकिस्तान को दूसरे टेस्ट में हराकर सीरीज में अजय बढ़त हासिल की



लंदन ,एजेसी। ऑली रॉबिन्सन (चार विकेट), जोश टंग (तीन विकेट) और जोफ्रा आर्चर (दो विकेट) की घातक गेंदबाजी से इंग्लैंड ने पाकिस्तान को दूसरे टेस्ट के चौथे दिन रविवार को दूसरी पारी में 194 रन पर ढेरकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अपराजेय बढ़त बना ली।

आज खेल शुरू होते ही नतीजा तय था, लेकिन पाकिस्तान को अपनी भलाई के लिए कुछ दिखाना था। बैटिंग पूरे दूर में खराब रही है और बदकिस्मती से आज भी कुछ बेहतर नहीं हुआ। सीरीज बराबर करने के लिए 389 रन का टारगेट

मिलने पर कुछ ही देर में स्कोर 14/3 हो गया। सऊद शकील का समय खराब रहा है और इस सीरीज में उनकी कुछ टेक्निकल कमजोरियां सामने आई थीं, लेकिन वह अपनी छाप छोड़ने के लिए पक्के इरादे से उतरे। उन्होंने शान मसूद के साथ चौथे विकेट के लिए 97 रन की पार्टनरशिप में दबदबा बनाया और फिर टेल के साथ अपना बल्ला चलाना शुरू कर दिया। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने आजादी से खेला और ऐसा लगा कि उन्हें शॉर्ट बॉल खेलने में मजा आ रहा है, जब तक कि वह 97 रन पर शॉर्ट बॉल पर आउट नहीं हो

गए। बदकिस्मती से पाकिस्तान के लिए उनका स्कोर टीम के टोटल का 50 प्रतिशत था क्योंकि बाकी रन इधर-उधर हो गए। इमाम-उल-हक ने एक बार फिर बैटिंग नहीं की और सब कुछ साफ हो गया था। ओली रॉबिन्सन ने 4 विकेट लेकर कमाल कर दिया, टंग ने आखिरी ओवरों में तीन विकेट लिए, जबकि आर्चर ने 2 विकेट लिए। इससे पहले इंग्लैंड ने कल के सात विकेट पर 177 रन से आगे खेलना शुरू किया और उसकी दूसरी पारी 208 रन पर समाप्त हुई। इंग्लैंड ने पाकिस्तान के सामने 389 रन का लक्ष्य रखा था।

शैफाली-दीप्ति-नंदनी का कमाल, भारत ने थाईलैंड को 94 रन से रौंदा

दुबई,एजेसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशिया कप 2026 के अपने अभियान का शानदार आगाज किया है। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत ने थाईलैंड को 94 रन से करारी शिकस्त दी। भारत की जीत में शैफाली वर्मा की विस्फोटक बल्लेबाजी और दीप्ति शर्मा व नंदनी शर्मा की शानदार गेंदबाजी का अहम योगदान रहा। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 159/9 रन बनाए, जिसके जवाब में थाईलैंड की पूरी टीम 16.1 ओवर में महज 65 रन पर ऑलआउट हो गई।शैफाली वर्मा ने मचाई तबाही



रहीं प्रतिका रावल ने 18 गेंदों में 22 रन की उपयोगी पारी खेली। प्रतिका ने जेमिमा रोड्रिग्स की गैरमौजूदगी में टीम में जगह बनाई थी।

बीच के ओवरों में लड़खड़ाई भारतीय पारी- और मंधाना की शुरुआत के बाद भारत को बीच के ओवरों में कुछ झटके लगे। कप्तान हरमनप्रीत कौर सिर्फ 5 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि ऋचा घोष खाता भी नहीं खोल सकीं। थाईलैंड की रिसन सुलेपर्न लामि ने भारतीय बल्लेबाजों को परेशान करते हुए 26 रन देकर 3 विकेट हासिल किए।

इसके बावजूद भारत ने निचले क्रम में मिले उपयोगी योगदान की बदौलत बड़ा स्कोर

खड़ा किया। क्रांति गौड़ ने 15 रन और भारती फूलमाली ने 13 रन की पारियां खेलीं। थाईलैंड की ओर से सुनिदा चतुरंगरताना ने 2 विकेट लिए। भारत ने निर्धारित 20 ओवर में 159/9 का स्कोर बनाया और थाईलैंड के सामने 160 रन का लक्ष्य रखा।

भारतीय स्पिनरों के सामने थाईलैंड की बल्लेबाजी ढेर- 160 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी थाईलैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। भारतीय गेंदबाजों ने पावरप्ले से ही दबाव बना दिया और थाईलैंड ने शुरुआती ओवरों में लगातार विकेट गंवाए। क्रांति गौड़ ने 1 विकेट लिया, जबकि श्री चरणी ने 2 विकेट चटकाकर थाईलैंड की मुश्किलें बढ़ा दीं।

जोकोविच को हराने के बाद नवोने का बड़ा बयान, बोले- ‘यह मेरी जिंदगी का सबसे अच्छा दिन’

न्यूयॉर्क,एजेसी। US Open 2026 के पुरुष सिंगल्स के पहले दौर में बड़ा उलटफेर देखने को मिला। अर्जेंटीना के गैरवरीयता प्राप्त खिलाड़ी मारियानो नवोने ने 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच को पांच सेट तक चले मुकाबले में हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। आर्थर एश स्ट्रेडियम में खेले गए मुकाबले में नवोने ने जोकोविच को 7-6(5), 5-7, 4-6, 6-2, 6-1 से मात दी।

इस हार के साथ जोकोविच का 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सपना भी टूट गया। ‘जोकोविच मेरे बचपन के आदर्श रहे हैं’-पेंतिहासिक जीत के बाद नवोने ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि जोकोविच को हराना उनके लिए बेहद खास है। उन्होंने कहा, ‘इस समय यह एक अविश्वसनीय एहसास है। नोवाक बचपन से मेरे आदर्श रहे हैं। कुछ साल पहले तक मैं टॉप-100 से बाहर था,



इसलिए 2023 तक मुझे उन्हें देखने का मौका भी नहीं मिला था।’ नवोने ने आगे कहा, ‘2026 में नोवाक के खिलाफ आर्थर एश जैसे शानदार कोर्ट पर जीत हासिल करना पागलपन जैसा है। यह उन सबसे बेहतरीन कोर्ट में से एक है, जिस पर मैंने खेला है।’

परिवार और टीम के साथ मनाई जीत- जीत के बाद नवोने ने अपने परिवार और टीम के साथ इस खास पल का जश्न मनाया।

हालांकि, उन्होंने कहा कि अब उनका ध्यान अगले मुकाबले पर रहेगा। उन्होंने कहा, ‘मैं यहां अपनी मां, अपने पिता और पूरी टीम के साथ हूँ। अर्जेंटीना में मेरा परिवार भी निश्चित तौर पर बहुत खुश होगा। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है, लेकिन अब हमें रिकवर करना होगा। हमें इस पल का आनंद लेना चाहिए, क्योंकि ऐसे पलों को महसूस करना भी जरूरी है।’

ओरछा में भव्य रामराजा लोक से निखरेगी बुंदेलखंड की पहचान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बोले- धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण सरकार की प्राथमिकता, पर्यटन और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश की धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित कर आने वाली पीढ़ियों को इससे अवगत कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है ऐतिहासिक नगरी ओरछा को पर्यटन के अमूल्य केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है यहां निर्माणाधीन रामराजा लोक बुंदेलखंड की पहचान को नई उचाई देगा तथा धार्मिक पर्यटन के विस्तार के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को ओरछा स्थित रामराजा लोक में जारी निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को सभी कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के



बाद उन्होंने मीडिया से चर्चा करते हुए ओरछा की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता पर विस्तार से विचार व्यक्त किए।

प्राचीन स्थापत्य और मूल स्वरूप का संरक्षण: मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन रामराजा लोक परिसर में विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण

किया और संचालकों से संवाद कर उनकी समस्याएं एवं सुझाव सुने उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए इसके बाद मुख्यमंत्री ने जुझार सिंह महल में चल रहे निर्माण एवं जीर्णोद्धार कार्यों का निरीक्षण

किया उन्होंने जहांगीर महल का भ्रमण कर इसकी ऐतिहासिक और समृद्ध स्थापत्य कला का अवलोकन भी किया निरीक्षण के दौरान आर्किटेक्ट ने मंदिर परिसर में स्थित प्राचीन ‘सावन-भादो’ स्तंभों के संरक्षण और उनके स्थापत्य महत्व की जानकारी दी।

बताया गया कि रामराजा लोक के निर्माण और विकास में इन प्राचीन धरोहरों के मूल स्वरूप और ऐतिहासिक महत्व को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। नए निर्माण के दौरान प्राचीन संरचनाओं को नुकसान न पहुंचे, इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

बुंदेला स्थापत्य को जीवंत करने पर जोर: मुख्यमंत्री ने कहा कि ओरछा बुंदेला राजाओं की राजधानी के रूप में बुंदेलखंड की ऐतिहासिक पहचान रहा है यहां मौजूद प्राचीन महल और भवन समृद्ध विरासत के प्रतीक हैं सरकार इन धरोहरों को उनके मूल स्वरूप में जीवंत करने के लिए कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि जीर्णोद्धार में उसी प्रकार की सामग्री का उपयोग किया जा रहा है, जैसी तत्कालीन समय में निर्माण कार्यों में की जाती थी कुशल कारीगरों के माध्यम से

ऐतिहासिक भवनों के मूल स्वरूप को बनाए रखने का प्रयास किया जा रहा है।

धार्मिक पर्यटन को मिलेगा विस्तार: मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकाल महालोक के निर्माण के बाद उज्जैन में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ी और स्थानीय अर्थव्यवस्था में भी बड़ा बदलाव आया इसी तर्ज पर मध्यप्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों का समग्र विकास किया जा रहा है ओरछा, चित्रकूट, दतिया, नलखेड़ा और पशुपतिनाथ मंदसौर सहित प्रमुख तीर्थस्थलों को विकसित करने की योजना है इसके साथ ही भगवान राम के वनवास से जुड़े चित्रकूट तथा भगवान कृष्ण की शिक्षा से जुड़े उज्जैन के सांदीपनि आश्रम सहित उनकी लीलाओं से संबंधित स्थलों को भी तीर्थ के रूप में विकसित करने की दिशा में काम किया जा रहा है।

जन्मदिन पर सीएमएचओ ने किया रक्तदान, जिला अस्पताल में मरीजों का जाना हाल



आभा आईडी से ओपीडी पर्ची बनाने पर जोर, मौसमी और जलजनित बीमारियों की तैयारियों की भी ली जानकारी।

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. मनोज शुक्ला ने अपने जन्मदिवस के अवसर पर

स्वैच्छिक रक्तदान कर सेवा और संवेदनशीलता का संदेश दिया उन्होंने अपने स्टॉफ एवं आम नागरिकों से भी जरूरतमंद मरीजों के लिए स्वैच्छिक रक्तदान करने की अपील की रक्तदान के बाद सीएमएचओ डॉ. शुक्ला ने जिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डों में पहुंचकर भर्ती मरीजों से उनके

स्वास्थ्य, उपचार एवं अस्पताल में उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली मरीजों द्वारा बताई गई समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए सीएमएचओ ने आइसोलेशन वार्ड एवं बच्चा वार्ड का भी निरीक्षण किया यहां उन्होंने मौसमी, जलजनित एवं

वेक्टरजनित बीमारियों से पीड़ित मरीजों के उपचार तथा इन बीमारियों की रोकथाम के लिए अस्पताल में की गई तैयारियों की जानकारी ली उन्होंने मरीजों के त्वरित उपचार और आवश्यक व्यवस्थाओं को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल के स्टोर रूम, ओपीडी पर्ची काउंटर सहित

चित्रकूट में बाढ़ पीड़ितों की मदद को आगे आए चंद्रकमल त्रिपाठी, घर-घर पहुंचाई राहत सामग्री

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट (निप्र)। लगातार हो रही भारी बारिश और नदी-नालों के बढ़ते जलस्तर के कारण चित्रकूट क्षेत्र के कई इलाकों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है बाढ़ से प्रभावित परिवारों के सामने भोजन, पेयजल और रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने की चुनौती खड़ी हो गई है। ऐसे संकट के बीच वरिष्ठ भाजपा नेता एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य चंद्रकमल त्रिपाठी दादू ने प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचकर सहायता का हाथ बढ़ाया चंद्रकमल त्रिपाठी दादू ने चित्रकूट क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया इस दौरान वे पिंडरा कोलान बस्ती पहुंचे और बाढ़ से प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली उन्होंने घर-घर पहुंचकर लोगों की स्थिति जानी तथा जरूरतमंद परिवारों को खाद्यान्न सामग्री वितरित की बाढ़ के कारण कई परिवारों के घरों में पानी भरने और आवागमन प्रभावित होने से खाद्य सामग्री सहित अन्य जरूरी सामान जुटाने में



पिंडरा कोलान बस्ती में प्रभावित परिवारों से मिले, खाद्यान्न वितरण कर दरसंभव सहायता का दिया भरोसा।



पेशानी हो रही है ऐसे में राहत सामग्री लेकर प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचने से उन्हें तत्काल सहायता मिली। इस अवसर पर चंद्रकमल त्रिपाठी दादू ने कहा कि प्राकृतिक आपदा के समय प्रभावित लोगों की मदद करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं और समर्थकों से भी

अपील की कि वे अपने स्तर पर जरूरतमंद परिवारों की सहायता के लिए आगे आए। उन्होंने कहा कि प्रशासन के राहत एवं बचाव कार्यों के साथ सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों और सक्षम लोगों की भागीदारी भी महत्वपूर्ण है उन्होंने कहा कि संकट की घड़ी में किसी जरूरतमंद परिवार तक भोजन और आवश्यक सामग्री पहुंचाना सच्ची मानव सेवा है राहत सामग्री प्राप्त करने वाले परिवारों ने सहायता के लिए आभार व्यक्त किया।

सिंधी समाज के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता : योगेश ताम्रकार

सतीश सुखेजा ‘सिंधु रत्न’ सम्मान से सम्मानित, वरिष्ठ नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का भी हुआ सम्मान



मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। अखंड भारत सिंधु स्मृति दिवस एवं सामाजिक प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन रविवार, 30 अगस्त को भारतीय सिंधु सभा के तत्वावधान में सिंधी कॉलोनी स्थित माधव गुणवंती

हाल में किया गया कार्यक्रम में सिंधी समाज के विभाजनकालीन संघर्ष, सामाजिक एकता, संस्कृति एवं मातृभाषा के संरक्षण पर वक्ताओं ने अपने विचार रखे इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाले समाजजनों को सम्मानित



मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था अध्यक्ष अशोक चांदवानी ने की प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश सुखेजा एवं महिला शाखा की प्रदेश उपाध्यक्ष राखी होतचंदानी भी मंचासीन रही कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान झूलेलाल की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण से हुआ पवन सोनी ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की संस्था पदाधिकारियों ने अतिथियों का स्वागत किया। संस्था अध्यक्ष अशोक चांदवानी ने कहा कि सिंधी समाज सिंधु घाटी सभ्यता की प्राचीन विरासत का वाहक है और अपनी संस्कृति एवं पहचान पर समाज को गर्व होना चाहिए। राजेश

कोटवानी ने गीत की प्रस्तुति देकर उपस्थित लोगों को भावविभोर किया मुख्य अतिथि योगेश ताम्रकार ने कहा कि सिंधी समाज के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने विभाजन के दौर का याद करते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद समाज के लोगों ने आत्मविश्वास नहीं खोया और भारत आकर नए सिर से जीवन की शुरुआत की उन्होंने समाज के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके संघर्ष और त्याग को जितनी बार सम्मान दिया जाए, उतना कम है महेश टाखानी ने कहा कि सिंधी समाज की संस्कृति और मातृभाषा उसकी पहचान हैं।

ग्राम कुल्हाई से निकली संत रविदास समरसता यात्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष ने की सहभागिता



मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। संत शिरोमणि रविदास जी की 650वीं जन्मजयंती के अवसर पर उनके जीवन-दर्शन, समता, भक्ति, सेवा, सामाजिक न्याय एवं मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रदेश में गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान एवं यात्रा का आयोजन किया जा रहा है इसी अभियान के तहत सोमवार को मैहर जिले के रामनगर क्षेत्र

महाराज के अनुयायियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की विभिन्न पड़वों पर ग्रामीणों एवं अनुयायियों ने यात्रा का श्रद्धा और उत्साह के साथ स्वागत किया इस दौरान संत रविदास जी के विचारों एवं उनके द्वारा दिए गए सामाजिक समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया कार्यक्रम में यात्रा प्रभारी राम प्रसाद गुप्ता, अत्रि मनोष जी महाराज, संत शंकर प्रसाद रैदास एवं संत भाई लाल रैदास सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक एवं अनुयायी उपस्थित रहे इस अवसर पर संत शिरोमणि रविदास जी के समता, सामाजिक सद्भाव, सेवा, भक्ति एवं मानवता पर आधारित विचारों को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का संदेश दिया गया।

अतिवृष्टि के बीच सतना में प्रशासन हाई अलर्ट, चित्रकूट में कलेटर ने संभाली कमान

मंदाकिनी के जलस्तर पर लगातार निगरानी, प्रभावित इलाकों में भोजन, शुद्ध पेयजल, स्वास्थ्य और सफाई व्यवस्था पर जोर



मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले में लगातार हो रही

बारिश और अतिवृष्टि को देखते हुए प्रशासन ने राहत एवं बचाव व्यवस्था

को लेकर हाई अलर्ट जारी रखा है। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने आपदा प्रबंधन टीम सहित सभी संबंधित अधिकारियों को सतर्क रहने और बाढ़ व जलभराव प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं कलेक्टर स्वयं चित्रकूट में रहकर मंदाकिनी नदी के जलस्तर और प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति की निगरानी कर रहे हैं।

मंदाकिनी के जलस्तर पर नजर: चित्रकूट में प्रातः 6 बजे आरोग्य धाम के पास मंदाकिनी नदी का जलस्तर 137.05 मीटर दर्ज किया गया, जबकि नदी का अधिकतम बाढ़ स्तर 139.60 मीटर

है सुबह के समय जलस्तर बढ़ने की प्रवृत्ति दर्ज की गई प्रशासन और आपदा प्रबंधन दल नदी के जलस्तर के साथ आसपास के प्रभावित क्षेत्रों पर भी लगातार नजर बनाए हुए हैं बिरसिंहपुर क्षेत्र में स्थिति सामान्य बताई गई है कलेक्टर ने चित्रकूट में प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर अधिकारियों से राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी ली उन्होंने आसपास के प्रभावित गांवों में पहुंचकर नागरिकों की समस्याएं जानी और भोजन, पेयजल तथा स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता की जानकारी ली। लोसरिहा मोहल्ले का भी जायजा लेकर अधिकारियों

को प्रभावित नागरिकों को तत्काल आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

पानी उतरने के बाद सफाई अभियान तेज: मंदाकिनी का पानी उतरने के बाद सड़कों और सार्वजनिक स्थलों पर जमा सिल्ट एवं कीचड़ हटाने का काम जारी है मुख्य सड़क, परिक्रमा पथ और प्रमोद वन सहित विभिन्न स्थानों पर सफाई दल लगाए गए हैं शिवहर धर्मशाला के पास ट्रैक्टर की मदद से मिट्टी हटाई गई जिला पंचायत सीईओ शैलेंद्र सिंह ने सफाई कर्मचारियों का उत्साहवर्धन करते हुए काम में जुगो बनाए रखने के

निर्देश दिए।

टैंकरों से पहुंचाया जा रहा शुद्ध पेयजल: बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल की विशेष व्यवस्था की गई है। चित्रकूट नगर परिषद के टैंकरों से प्रभावित इलाकों में पानी पहुंचाया जा रहा है नयागांव बाजार में भी टैंकरों के माध्यम से पेयजल उपलब्ध करवाया गया प्रभावित हैंडपंपों में क्लोरीनेशन और जर्मेक्स घोल डालने की कार्यवाही की जा रही है डोर-टू-डोर सर्वे के दौरान लोगों को क्लोरीन टेबलेट भी वितरित की जा रही है बिरसिंहपुर में भी स्वच्छ पेयजल के व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

बाणसागर डैम के गेट खुलने के बाद मैहर प्रशासन अलर्ट, कलेक्टर ने जल स्रोतों से दूर रहने की अपील की

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। बाणसागर डैम के गेट खोले जाने के बाद मैहर जिले में प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है। कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी ने रामनगर, अमरपाटन एवं मुकुंदपुर क्षेत्र की ग्राम पंचायतों के नागरिकों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है उन्होंने सुरक्षा की दृष्टि से लोगों से नदी, नालों एवं अन्य जल स्रोतों के आसपास नहीं जाने और पर्याप्त दूरी बनाए रखने का आग्रह किया है कलेक्टर ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि बाणसागर डैम के गेट खुलने के कारण जल स्रोतों में पानी का प्रवाह और जलस्तर बढ़ सकता है। ऐसी स्थिति में लोग किसी भी प्रकार का जोखिम न लें और नदी-नालों के किनारे जाने से बचें विशेष रूप से निचले क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को सतर्क रहने की आवश्यकता है।

निचले क्षेत्रों में प्रशासन की विशेष निगरानी: कलेक्टर मुखर्जी के निर्देशानुसार जिले के सभी संबंधित एसडीएम, तहसीलदार एवं पटवारी निचले क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखेंगे अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमण कर जलस्तर एवं स्थानीय परिस्थितियों का जायजा लेने तथा स्थिति पर सतत नजर बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं प्रशासन द्वारा संबंधित अधिकारियों को किसी भी संभावित आपात स्थिति की जानकारी तत्काल उच्च अधिकारियों तक पहुंचाने और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल आवश्यक कदम उठाने के लिए कहा गया है निचले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी प्रशासन की ओर से जारी निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई है।

जल स्रोतों के आसपास न जाने की अपील: प्रशासन ने नागरिकों से कहा है कि बारिश और डैम के गेट खुलने के दौरान नदी, नाले, जलप्रपात एवं अन्य जल स्रोतों के आसपास जाना जोखिम भरा हो सकता है। इसलिए लोग ऐसे स्थानों से सुशुक्षित दूरी बनाए रखें। बच्चों को विशेष रूप से जल स्रोतों के नजदीक न जाने दें।